Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 05
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 13 जनवरी, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

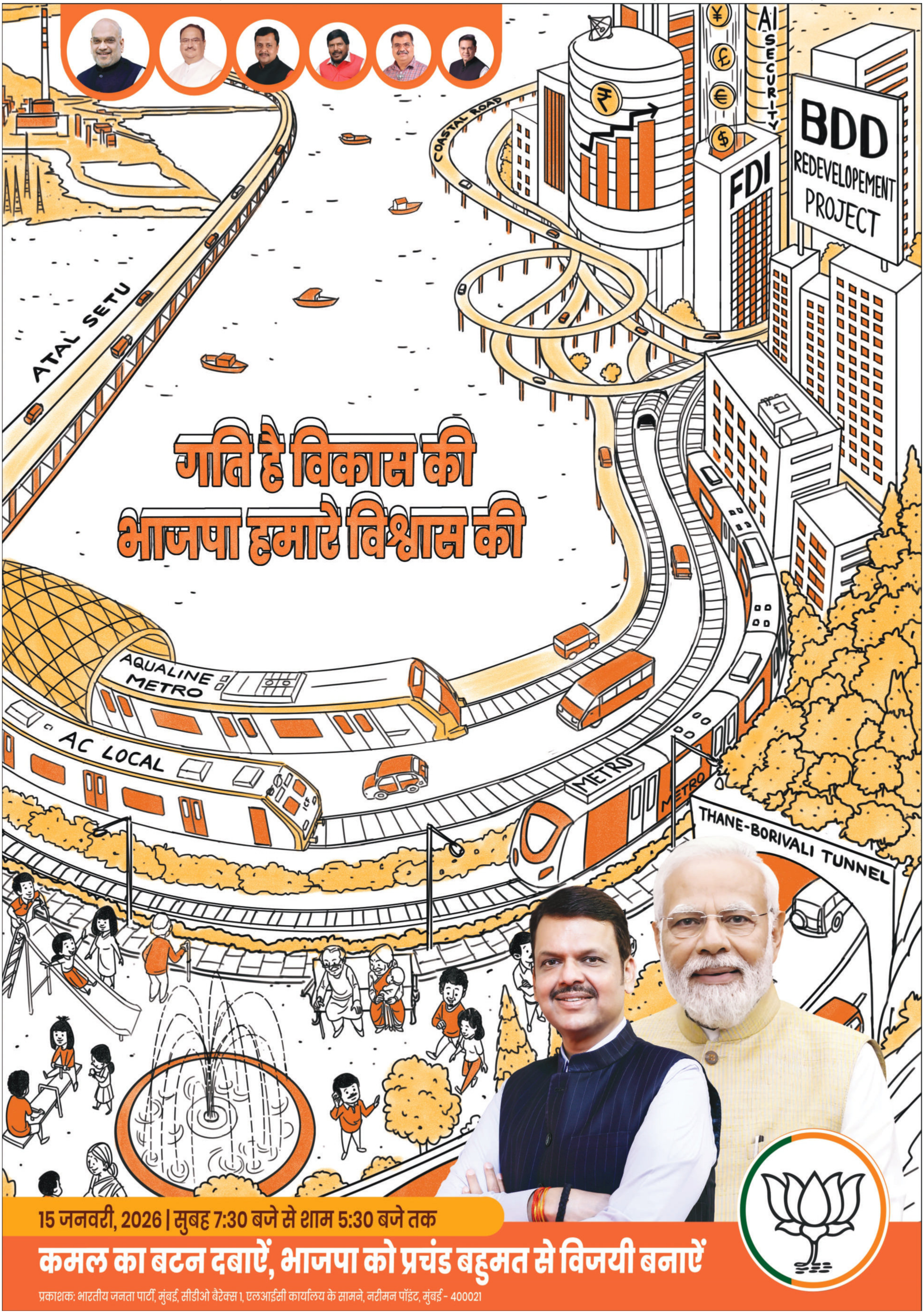

नवी मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए संपूर्ण व्यवस्था तैयार

13 जनवरी को सायं 5.30 बजे के बाद किसी भी प्रकार का प्रचार न करने के निर्देश

दिव्यांश

नवी मुंबई : नवी मुंबई महानगरपालिका के आम चुनाव के संदर्भ में महानगरपालिका आयुक्त एवं मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में दिनांक 15 जनवरी 2026 को होने वाले चुनाव के लिए सभी तैयारियाँ सुनियोजित रूप से पूर्ण कर ली गई हैं।

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के कुल 28 प्रभागों में यह चुनाव बहु-सदस्यीय पैनल प्रणाली से आयोजित किया जा रहा है। प्रभाग क्रमांक 1 से 27 में 'अ, ब, क, ड' चार स्थानों के लिए तथा प्रभाग क्रमांक 28 में 'अ, ब, क' तीन स्थानों के लिए नागरिकों को मतदान करना है।

चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा स्वयं आयुक्त द्वारा की गई है तथा स्थलों का प्रत्यक्ष निरीक्षण भी किया गया है। चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव पर्यवेक्षक एवं चुनाव पर्यवेक्षक चुनाव संबंधी समस्त कार्यवाही पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं।

चुनावी तैयारियों का संक्षिप्त विवरण : नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में कुल 9,48,460 मतदाता हैं, जिनमें 5,16,267 पुरुष, 4,32,040 महिलाएँ तथा 153 अन्य मतदाता सम्मिलित हैं। चुनाव के लिए 8 विभागों में चुनाव निर्णय

अधिकारी कार्यालय स्थापित किए गए हैं। 185 स्थानों पर 1,148 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है तथा सहायता हेतु स्वयंसेवक तैनात रहेंगे।

मतदान कार्य के लिए कुल 6,890 कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, जिनका प्रशिक्षण दो चरणों में पूर्ण हो चुका है। चुनाव हेतु 1,400 से अधिक नियंत्रण इकाइयाँ एवं 3,700 से अधिक मतपत्र इकाइयाँ प्राप्त हुई हैं तथा उनकी प्रथम स्तर की जाँच पूरी कर ली गई है।

सभी मतदान यंत्रों को सीलबंद कर कड़े पुलिस बंदोबस्त में सुरक्षित कक्षों में रखा गया है।

सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी व्यवस्था की गई है तथा संपूर्ण मतदान प्रक्रिया पर वेबकास्टिंग के माध्यम से नियंत्रण कक्ष से निगरानी रखी जाएगी।

प्रत्येक विभाग में महिला विशेष 'सखी मतदान केंद्र' एवं पर्यावरण अनुकूल 'हरित मतदान केंद्र' स्थापित किए गए हैं।

कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए संपूर्ण पुलिस तंत्र सतर्क एवं तैनात रहेगा।

मतदान सामग्री के वितरण, संग्रहण तथा मतगणना हेतु पृथक कर्मचारी दल नियुक्त किए गए हैं, जिनका प्रशिक्षण भी पूर्ण हो चुका है।

महिला कर्मचारियों के लिए मतदान केंद्रों के समीप आवास व्यवस्था तथा समुचित वाहन प्रबंधन किया गया है।

13 जनवरी को सायं 5.30 बजे के बाद प्रचार पूर्णतः प्रतिबंधित

दिनांक 13 जनवरी 2026 को सायं 5.30 बजे प्रचार अवधि समाप्त हो जाएगी। इसके पश्चात मुद्रित, इलेक्ट्रॉनिक, प्रत्यक्ष अथवा सामाजिक माध्यमों द्वारा किसी भी प्रकार का चुनाव प्रचार करना निषिद्ध रहेगा। आचार संहिता दल को इस संबंध में विशेष सतर्कता बरतने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। नागरिकों से भी सहयोग करने की अपील की गई है।

साथ ही, दिनांक 15 जनवरी 2026 को सभी नवी मुंबईवासियों से प्रातः 7.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक अपने मतदान अधिकार का प्रयोग करने का आवाहन किया गया है।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली सेक्शन के बीच छठी लाइन के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए 20/21 दिसंबर, 2025 की रात से 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है, जो 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इस ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य के संबंध में 13/14 जनवरी, 2026 की रात को कांदिवली एवं मालाड स्टेशनों के बीच प्वाइंट 103 के डिस्मैंटलिंग हेतु एक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप फास्ट लाइन पर 00:00 बजे से 05:30 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक रहेगा। इसके अतिरिक्त, 14/15 जनवरी, 2026 को कांदिवली एवं मालाड स्टेशनों के बीच प्वाइंट 102 के डिस्मैंटलिंग हेतु भी एक मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप फास्ट लाइनों पर 00:00 बजे से 05:30 बजे तक तथा डाउन फास्ट लाइन पर 01:00 बजे से 04:30 बजे तक रहेगा।

उपर्युक्त ब्लॉक, पाँचवीं लाइन के निलंबन तथा लगाए गए गति प्रतिबंध के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी, जबकि अप फास्ट लाइन की कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी।

शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें:

1.13 एवं 14 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19426 नंदुरबार-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

2.13 एवं 14 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस वसई रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली ट्रेनें:

1.14 एवं 15 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19425 बोरीवली-नंदुरबार एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

2.14 एवं 15 जनवरी, 2026 को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 19417 बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस वसई रोड से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी।

ब्लॉक के कारण प्रभावित होने वाली उपनगरीय ट्रेनों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-I एवं II में दी गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

वित्त वर्ष 2025-26 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान मध्य रेल ने यात्री परिवहन और आय में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की

वित्त वर्ष 2025-26 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान मध्य रेल ने यात्री परिवहन और आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

इस वित्त वर्ष में दिसंबर 2025 तक मध्य रेल ने यात्री राजस्व के रूप में 5,881.08 करोड़ रुपये अर्जित किए, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 5,570.33 करोड़ रुपये था, जो 5% से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

इसमें दिसंबर 2025 तक उपनगरीय सेवाओं से प्राप्त 757.12 करोड़ रुपये शामिल हैं, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह राशि 721.70 करोड़ रुपये थी, जो लगभग 5% की वृद्धि दर्शाती है। इसी प्रकार, गैर-उपनगरीय सेवाओं से प्राप्त 5,123.96 करोड़ रुपये शामिल हैं, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह राशि 4,848.63 करोड़ रुपये थी, जो 5इ से अधिक की वृद्धि दर्शाती है। यात्रियों की संख्या के संदर्भ में, मध्य रेल ने दिसंबर 2025 तक इस वित्तीय वर्ष में 1227 मिलियन यात्रियों का परिवहन किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1202 मिलियन यात्रियों का परिवहन किया गया था, जो 2% से अधिक की वृद्धि दर्ज करता है। इसमें इस वित्तीय वर्ष में 1073 मिलियन उपनगरीय यात्रियों का परिवहन सम्मिलित है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 1058 मिलियन थी। साथ ही, इस वित्तीय वर्ष में 154 मिलियन गैर-उपनगरीय यात्रियों का परिवहन शामिल है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 144 मिलियन थी।

गौरतलब है कि अकेले दिसंबर 2025 में, मध्य रेल ने 142 मिलियन यात्रियों (जिनमें 124 मिलियन उपनगरीय और 18 मिलियन गैर-उपनगरीय यात्री शामिल हैं) का परिवहन किया, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 138 मिलियन यात्रियों (जिनमें 122 मिलियन उपनगरीय और 16 मिलियन गैर-उपनगरीय यात्री शामिल हैं) का परिवहन किया गया था, जो 3% की वृद्धि दर्शाता है।

दिसंबर 2025 में अर्जित राजस्व 723.27 करोड़ रुपये (जिनमें उपनगरीय राजस्व 87.58 करोड़ रुपये और गैर-उपनगरीय राजस्व 635.69 करोड़ रुपये शामिल हैं) रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में अर्जित राजस्व 604.40 करोड़ रुपये था, जो लगभग 20% की वृद्धि दर्शाता है।

मध्य रेल अपने सभी यात्रियों को सुरक्षित, किफायती, विश्वसनीय और कुशल यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्य रेल द्वारा सीएसएमटी में यात्री सुविधा में वृद्धि, रिलैक्स ज़ोन की शुरुआत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल को गैर-किराया राजस्व के तहत नवोन्मेषी अवधारणाएं शुरू करने का गौरव प्राप्त है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और राजस्व बढ़ाने में मदद मिली है।

इस कड़ी में नवीनतम कड़ी छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर 'रिलैक्स ज़ोन' है।

यात्री सुविधाओं में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मध्य रेल ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पर अत्याधुनिक रिलैक्स ज़ोन का शुभारंभ किया है। क्विक रेस्ट द्वारा प्रबंधित यह नई सुविधा थके हुए यात्रियों को तरोताजा अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसमें फुल-बॉडी मसाज चेयर हैं जो यात्रा की थकान, मांसपेशियों में तनाव और मानसिक तनाव को दूर करने में मदद कर सकती हैं।

सीएसएमटी स्थित रिलैक्स ज़ोन उन्नत मसाज तकनीक और स्वच्छ बैठने की व्यवस्था से सुसज्जित है, जो सभी यात्रियों के लिए आरामदायक और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करता है। यह सुविधा ?99 से शुरू होने वाले किफायती दामों पर त्वरित मसाज सत्र प्रदान करती है, जो इसे यात्रा के बाद या यात्रा शुरू करने से पहले आराम करने के इच्छुक यात्रियों के लिए एक आदर्श समाधान बनाती है।

रिलैक्स ज़ोन की मुख्य विशेषताएं:

उन्नत तकनीक से लैस फुल-बॉडी मसाज चेयर

आरामदायक बैठने की व्यवस्था

स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण

किफायती दामों पर त्वरित मसाज सेशन, कीमत ?99 से शुरू

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) में रिलैक्स ज़ोन, मध्य रेल के मुंबई मंडल की एक और नई पहल है, जो भारतीय रेल द्वारा स्टेशन सुविधाओं को उन्नत बनाने और यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयासों के अनुरूप है।

पुणे चुनाव में चाचा-भतीजी साथ, सुप्रिया सुले का बड़ा बयान- 'हमारे परिवार में ऑल इज वेल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे नगर निगम (पीएमसी) के आगामी चुनावों से पहले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने सोमवार को कहा कि उनके परिवार में कभी कोई मतभेद नहीं रहा है। उन्होंने पुणे में बढ़ते अपराध को रोकने के लिए महायुति सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर सवाल उठाया। मैंने पुणे में बढ़ते अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री को कई बार पत्र लिखा है, इसलिए मैं उनसे

पूछना चाहती हूं कि उन्होंने इस बारे में क्या किया है? सुले ने यहां पत्रकारों से कहा परिवार में कभी कोई मतभेद नहीं रहा। हम सभी जनता की सेवा के लिए यहां हैं। उनकी यह टिप्पणी पुणे नगर निगम चुनावों के लिए अजीत पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ गठबंधन करने के बाद आई है।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने एक प्रगतिशील घोषणापत्र जारी किया है। हमने एक प्रगतिशील घोषणापत्र जारी किया है। मुझे विश्वास है कि पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम के लोग हमारे साथ खड़े रहेंगे,। शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि अगर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) दाऊद इब्राहिम से मिली होती, तो वे उसके रिश्तेदारों को टिकट दे देते। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महायुति बिना गुंडागर्दी के चुनाव नहीं जीत सकते। राउत ने तर्क दिया कि पुणे, जो कभी अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता था, आज 'गुंडों का शहर' कहलाता है।

पुणे कभी बहुत खूबसूरत शहर था, लेकिन आज यह गुंडों के शहर के रूप में जाना जाता है। चाहे भाजपा हो या अजीत पवार की पार्टी, शायद ही कोई ऐसा गिरोह हो जिसके रिश्तेदारों को इन पार्टियों ने चुनाव टिकट न दिया हो। मैंने एक बार कहा था कि अगर ये लोग दाऊद से मिले होते, तो वे उसके भाई या रिश्तेदारों को टिकट दे देते, जिनमें छोटा शकील और छोटा राजन भी शामिल हैं। ये लोग बिना गुंडागर्दी के चुनाव नहीं जीत सकते।

मुंबई विवाद पर आदित्य ठाकरे का बीजेपी पर बड़ा आरोप, कहा- पूरा महाराष्ट्र उद्योगपतियों को बेच रहे हैं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अन्नामलाई के बयान पर विवाद खड़ा होने के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने सोमवार को कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी का एकमात्र उद्देश्य राज्य का अपमान करना और उसे लूटना है। ठाकरे ने मुंबई में पत्रकारों से कहा कि अन्नामलाई भाजपा का चेहरा हैं, जो शून्य है। वे वहां चुनाव नहीं जीत सके और अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। ऐसा दिखाया गया कि अगला प्रधानमंत्री वही होंगे, लेकिन वास्तव में, तमिलनाडु ने उन्हें शून्य साबित कर दिया है। जहां मुख्यमंत्री स्टालिन तमिलनाडु को इतनी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं, वहीं ये लोग सिर्फ लड़ रहे हैं, गाली-गलौज कर रहे हैं। अन्नामलाई ने महाराष्ट्र का अपमान किया है, और

राज्य इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। अन्नामलाई और भाजपा ने महाराष्ट्र का अपमान किया है।

ठाकरे का यह बयान भाजपा नेता अन्नामलाई के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने आगामी बीएमसी चुनावों से पहले मुंबई के धारावी में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि मुंबई 'एक अंतरराष्ट्रीय शहर है, महाराष्ट्र का शहर नहीं। यूबीटी नेता ने दावा किया कि भाजपा लगातार लोगों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं या सांप्रदायिक मुद्दों में उलझाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि पूरे राज्य को उद्योगपतियों को बेच रही है।

उन्होंने कहा, 'भाजपा सरकार चाहे जो भी करे, जनता जानती है कि सरकार को मुंबई या महाराष्ट्र से कोई लगाव नहीं है। लोग देखते हैं कि वे हमें लड़की बहन या हिंदू-मुस्लिम मुद्दों में कैसे उलझाए रखते हैं, जबकि पूरा महाराष्ट्र उद्योगपतियों को मुफ्त में दिया जा रहा है। यह शासन नहीं, कुशासन है। इससे पहले, जब अन्नामलाई ने महाराष्ट्र में 'ट्रिपल इंजन सरकार' का आह्वान किया था, तब उन्होंने धारावी और सायन कोलीवाड़ा क्षेत्रों में पार्टी के लिए प्रचार करते हुए कहा था, 'मुंबई महाराष्ट्र का शहर नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय शहर है। अन्नामलाई ने आगे कहा कि मुंबई को त्रि-इंजन सरकार की जरूरत है। मुंबई में भाजपा का महापौर चाहिए, राज्य में (महाराष्ट्र के) मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी होने चाहिए। मुंबई एक वैश्विक महानगर है जिसका बजट 40,000 करोड़ रुपये से अधिक है। बेंगलुरु का बजट 19,000 करोड़ रुपये है, जबकि चेन्नई का 8,000 करोड़ रुपये है। वित्त प्रबंधन के लिए प्रशासन में अच्छे लोगों की जरूरत है।

बीएमसी चुनाव में एनसीपी बनेगी किंगमेकर!नवाब मलिक का दावा- हमारे बिना नहीं बनेगा मेयर

मुंबई।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों में पार्टी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दावा किया कि अन्यथा 'त्रिशंकु' विधानसभा में पार्टी ही बहुमत तय करेगी। एएनआई से बात करते हुए नवाब मलिक ने कहा कि मैं शुरू से ही कह रहा हूं कि बीएमसी में त्रिशंकु विधानसभा होगी और एनसीपी की मदद के बिना कोई महापौर नहीं चुना जा सकेगा। इसलिए अगर कोई सोचता है कि चुनाव परिणाम बदलेगा, तो वह गलतफहमी में है।

पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम की तरह शरद पवार के गुट के साथ नहीं, बल्कि अकेले बीएमसी चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर नवाब मलिक ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा थी कि वे अकेले चुनाव लड़ें। दोनों एनसीपी का विलय जब भी होगा, पवार साहब (शरद पवार) और अजीत दादा (अजित पवार) इस पर फैसला लेंगे। मैं विलय के समय पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा, लेकिन यह निश्चित है कि दोनों गुटों के कार्यकर्ता इच्छुक हैं और उम्मीद करते हैं कि दोनों एनसीपी एक साथ आएं।

अंबरनाथ और अकोला में क्रमशः कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ भाजपा के हालिया गठबंधन पर नवाब मलिक ने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी, जिसमें एनसीपी भी शामिल है, की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'अकोट (अकोला) में भाजपा ने एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करके इस बात को पुष्ट किया है कि भाजपा एआईएमआईएम को अपनी 'बी टीम' के रूप में इस्तेमाल कर रही है। इसी तरह, अंबरनाथ में भी भाजपा ने कांग्रेस पार्षदों को अपने साथ लिया, लेकिन हमने एनसीपी का समर्थन करना चुना। भाजपा, जो कांग्रेस-मुक्त भारत का दावा करती है, लेकिन उन्हीं कांग्रेस पार्षदों का समर्थन ले रही है।'

मध्य रेल

ओएचई संशोधन कार्य

खुली निविदा सूचना स.: BB.LD.585.W.856. CONTR7. दिनांक 05.01.2026. कार्य का नाम: कलवा मुंब्रा सेक्शन के बीच किमी 39/320 के न्यूट्रल सेक्शन की शिफ्टिंग डाउन थ्रू लाइन पर करने के कार्य संबंध में ओएचई संशोधन कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 66,31,128/-. **बिड सिक्योरिटी:** रु. 1,32,600/-. **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 8 महीने। **निविदा फार्म का मूल्य:** रु. 0/-. **I) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय : दिनांक 30.01.2026 को 11:00 बजे तक, और 11:00 बजे के बाद खोला जाएगा। II)** शुद्धिपत्रक के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। **III)** केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्टॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। **IV)** निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। **V)** अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001 | फोन - 022-22612355. निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **AK-802**

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे – वडोदरा मंडल

विभिन्न ट्रैक इंजीनियरींग कार्य

ई–निविदा सूचना सं. डीआरएम–बीआरसी 166 से 167, 2025–26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (W A/c.), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा–390 004 द्वारा निम्नानुसार कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं.	निविदा सं. एवं कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (₹ में)	जमा कराने की बीड सिक्युरीटी (₹ में)
01	**DRM BRC 166 of 2025-26.** वडोदरा मंडल :– BRC GER अनुभाग पर TTR (TWS + WCMS) 62 सेट्स, BRC GER और BRC GDA अनुभागों पर TTR (TSR) 72 सेट्स, KRSA एवं RNO अंतर्गत CSR वृद्धि तथा वडोदरा मंडल पर अन्य सहायक ट्रैक कार्य।	7,65,69,202.78	5,32,900.00
	निविदा जमा कराने एवं निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक 30/01/2026 को 15:00 बजे तक जमा की जाएगी एवं उसी तिथि के 15:30 बजे खोली जाएगी।		
02	**DRM BRC 167 of 2025-26.** वडोदरा मंडल :– वरि. DEN उत्तर BRC के क्षेत्राधिकार आधिन TRR (P) 50.056 KMS एवं अन्य सहायक ट्रैक रिन्युअल कार्य।	9,99,67,984.33	6,49,800.00
	निविदा जमा कराने एवं निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक 02/02/2026 को 15:00 बजे तक जमा की जाएगी एवं उसी तिथि के 15:30 बजे खोली जाएगी।		

वेबसाईट का विवरण एवं नोटीस का स्थान जहाँ से विवरण देखे जा सकते हैं एवं कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र खरीद सकते है: वेबसाईट: @ www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक (W A/C) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा–4 । BRC-317

हमें फॉलो करें: DRMBRCWR • drm_vadodara • हमें लाइक करें: Western Railway Vadodara Division

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मंडल

सामग्री की आपूर्ति के लिए ई-निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से DY.CMM-साबरमती, पश्चिम रेलवे, सामग्री की आपूर्ति के लिए निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित करता है।

क्र. सं.	निविदा नंबर	सामग्री का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय	EMD राशि
1	71265016	KR-5 (ब्रेक वाल्व) [पार्ट नंबर: 90372] मेक: प्लासर, KNORR	03 नग	05/02/2026 11.00 AM	112310/-
2	71255598	ट्रैक लिफ्टिंग और लाइनिंग यूनिट [प्लासर पार्ट नंबर: UD313.3000-SP.1668/1676] मेक: प्लासर	01 सेट	27/01/2026 11.00 AM	122130/-
3	71256693A	1) क्लैंप पॉइंट लॉक 60KG (मोटे वेब स्विच के लिए) B.G. के लिए RDSO ड्राइंग नंबर RDSO/S 3395A, ALT-1 (मुख्यड्राइंग RDSO/S 3454 ALT-B) के अनुसार असेंबली का पूरा सेट 2) क्लैंप पॉइंट लॉक 60KG (मोटे वेब स्विच के लिए) B.G. के लिए RDSO ड्राइंग नंबर RDSO/S 3395A, ALT-1 (मुख्यड्राइंग RDSO/S 3454 ALT-B) के अनुसार असेंबली का पूरा सेट	1) 120 सेट 2) 120 सेट	02/02/2026 11:00	132770/-

खरीद पर प्रतिबंध और निविदा की विस्तृत शर्तों वाली विस्तृत निविदा सूचना के लिए, कृपया **वेबसाइट www.ireps.gov.in** पर जाएं। मैनुअल ऑफ़र पर विचार नहीं किया जाएगा। ADI 253

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 06
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
मंगलवार, 13 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

5 भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय पर ...
4 विकसित भारत का सपना और जहरीला ...
7 डब्ल्यूपीएल 2026 : रोमांचक मुकाबले में ...

संक्षिप्त न्यूज

निर्वाचन आयोग ने पूर्व नौसेना प्रमुख को भेजे गए नोटिस पर स्पष्टीकरण दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत निर्वाचन आयोग ने गोवा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) अरुण प्रकाश को नोटिस जारी करने पर सोमवार को स्पष्टीकरण दिया, जिसमें कहा गया है कि उनके गणना प्रपत्र में पिछली एसआईआर से संबंधित अनिवार्य विवरण शामिल नहीं थे।

आयोग ने सेवानिवृत्ति के बाद से गोवा में रह रहे प्रकाश को एसआईआर प्रक्रिया के तहत अपनी पहचान स्थापित करने के लिए बुलाया था। सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्त हुए कर्मियों सहित कई लोगों ने प्रकाश को इस तरह का नोटिस भेजे जाने पर सोशल मीडिया पर चिंता व्यक्त की थी। प्रकाश को 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में उनकी भूमिका के लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी डॉ. मेडोरा एरमोमिला डी कोस्टा ने सोमवार को जारी एक स्पष्टीकरण में कहा, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जारी नोटिस से संबंधित मीडिया की खबरों के संदर्भ में, यह स्पष्ट किया जाता है कि एसआईआर के दौरान, कोर्टालिम विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 43 के बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) ने श्री अरुण प्रकाश से संबंधित गणना प्रपत्र एकत्र किया था। उन्होंने कहा, ' यह देखा गया कि उक्त गणना प्रपत्र में पिछले एसआईआर से संबंधित अनिवार्य विवरण शामिल नहीं थे, जिनमें मतदाता का नाम, ईपीआईसी नंबर, रिश्तेदार का नाम, विधानसभा क्षेत्र का नाम और संख्या, भाग संख्या और मतदाता सूची में क्रम संख्या शामिल हैं।'

समापन सत्र में बोले पीएम मोदी

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवादः 'स्वामी विवेकानंद हर युवा के लिए प्रेरणा..

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को भारत मंडपम में विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद-2026 के समापन सत्र को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा, साल 1947 में जब हमारी आजादी के 100 साल होंगे, वहां तक की यात्रा भारत के लिए अहम है और यही वो समय है, जो आपके जीवन में भी सबसे महत्वपूर्ण है। आपका सामर्थ्य भारत का सामर्थ्य बनेगा, आपकी सफलता भारत की सफलता को नई ऊंचाइयां जरूर देगी।

'स्वामी विवेकानंद आज भी हर युवा के लिए प्रेरणा'

उन्होंने आगे कहा, मैं आप सभी को विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में सहभागिता के लिए बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, आप सभी जानते हैं कि आज स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है। स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर युवा के लिए प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है, कैसे हम

राष्ट्र प्रथम की भावना से जीवन जिएं, हमारे हर प्रयास में समाज और देश का हित हो, इस दिशा में स्वामी विवेकानंद का जीवन हम सब के लिए बहुत बड़ा मार्गदर्शक है, प्रेरक है।

'मुझे अपने युवाओं पर भरोसा...'

पीएम मोदी ने कहा, मुझे खुशी है कि बहुत कम समय में विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद इतना बड़ा मंच बन गया है। एक ऐसा मंच, जहां देश की विकास की दिशा तय करने में युवाओं की सीधी भागीदारी होती है। करोड़ों नौजवानों का इससे जुड़ना, देश के विकास के लिए अपने विचार साझा करना... ये अपनेआप में अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा, मुझे अपने देश के युवाओं पर भरोसा है, आपके सामर्थ्य पर भरोसा है, इसलिए हमने एक अलग राह चुनी। हमने युवाओं को ध्यान में रखते हुए एक के बाद एक नई योजनाएं बनाईं.. यहीं से स्टार्टअप क्रांति ने भारत में असली गति पकड़ी।

'देश को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकालेंगे युवा'

उन्होंने आगे कहा, भारत आज ऑरेंज अर्थव्यवस्था... यानि कल्चर (संस्कृति), कंटेंट (सामग्री) और क्रिएटिविटी (रचनात्मकता) का अभूतपूर्व विकास होते देख रहा है। बीते दशक में बदलाव का, सुधारों (रिफॉर्म्स) का जो सिलसिला हमने शुरु किया... वो अब रिफॉर्म्स एक्सप्रेस बन चुका है। इन रिफॉर्म्स के केंद्र में हमारी युवाशक्ति है। इसलिए देश के हर युवा को संकल्प लेकर गुलामी की मानसिकता से देश को बाहर निकालना है।

केंद्रीय मंत्री का बयान

'भारत ने तकनीकी अपनाने से लेकर नेतृत्व करने तक का तय किया सफर'

अहमदाबाद। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत ने तकनीक की दुनिया में बड़ी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा कि भारत अब सिर्फ तकनीक अपनाने वाला देश नहीं रहा, बल्कि तकनीक लीडर बनने की राह पर है। यह बात उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद (आईआईएमए) के वेंचर्स समिट में कही।

स्टार्टअप्स की सफलता

मंत्री ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। देश में 1.75 लाख से ज्यादा स्टार्टअप हैं। खास बात यह है कि इनमें से आधे यानी 50 प्रतिशत स्टार्टअप छोटे शहरों (टियर 2 और टियर 3) से हैं। उन्होंने कहा कि इसने इस भ्रम को तोड़ दिया है कि स्टार्टअप सिर्फ बड़े शहरों में ही शुरू हो सकते हैं।

मैनेजमेंट और तकनीक का मेल

जितेंद्र सिंह ने कहा कि मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी एक-दूसरे के बिना अधूरे हैं। किसी भी स्टार्टअप को लंबे समय तक चलाने के लिए अच्छी मैनेजमेंट रणनीति और इंडस्ट्री का साथ जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक तरक्की तकनीक पर आधारित रही है। दस साल पहले भारत कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, लेकिन आज हम दुनिया की शीर्ष चार अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं।

नया प्लेटफॉर्म लॉन्च

इस मौके पर मंत्री ने आईआईएमए वेंचर्स का नया प्लेटफॉर्म 'ट्रांसलेशन एंडेवर्स' लॉन्च किया। इसका मकसद विज्ञान और बिजनेस के बीच की दूरी को कम करना है। यह प्लेटफॉर्म रिसर्च को बिजनेस में बदलने में मदद करेगा, ताकि नए विचारों का व्यावसायिक फायदा उठाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी है कि शिक्षा को संस्थानों की दीवारों से बाहर ले जाया जाए।

राजनीति 100 मीटर की दौड़ नहीं, लंबी मैराथन है नितिन नबीन ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की 164वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पूज्य नेता को भारत के युवाओं पर अटूट विश्वास था कि वे राष्ट्र की प्रगति का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा भारतीयों को 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण में आगे आने के लिए प्रेरित किया है। नितिन नबीन ने कहा कि स्वामी विवेकानंद को युवाओं की शक्ति और नेतृत्व क्षमता पर अपार विश्वास था।

हमारे प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी को हमारी युवा शक्ति पर पूरा भरोसा था। उनका मानना था कि जब भी इस देश को आगे बढ़ना होगा, जब भी यह राष्ट्र नई ऊंचाइयों को छुएगा, उस ऊंचाई का नेतृत्व भी युवाओं द्वारा ही किया

जाएगा। आज हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने किसी न किसी रूप में देश भर के युवाओं को यह प्रेरणा दी है कि यदि हमें 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण करना है, तो आपको आगे आना होगा। नितिन नबीन ने कहा कि आज स्वामी विवेकानंद जी की जयंती है, लेकिन हम केवल जयंती ही नहीं मनाते, बल्कि उनसे प्रेरित होकर कार्य भी करते हैं। भाजपा की युवा शाखा हर साल स्वामी विवेकानंद जी की जयंती मनाती है और उनसे प्रेरित होकर पूरे वर्ष कार्य करती है।

भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष ने राजनीति में आने के इच्छुक युवाओं से किसी भी प्रकार के शॉर्टकट से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि यदि आज के युवा राजनीति में आना चाहते हैं, तो उन्हें शॉर्टकट से बचना चाहिए। शॉर्टकट हमेशा हमारे लिए मुसीबत का कारण बनते हैं। राजनीति सौ मीटर की दौड़ नहीं है; राजनीति एक लंबी मैराथन है।

पश्चिम बंगाल मतदाता सूची विवादः चुनाव आयोग पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती, टीएमसी के आरोपों के बाद मांगा जवाब

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जहां ओर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। वहीं अब इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी सख्ती दिखाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर दायर नई याचिकाओं पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। ये याचिकाएं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन ने दाखिल की हैं।

टीएमसी सांसदों का आरोप है कि पश्चिम बंगाल में चल रही वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया में मनमानी और नियमों की अनदेखी की जा रही है। ऐसे में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग को एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी।

अब जानिए चुनाव आयोग पर क्या आरोप लगे?

टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि चुनाव आयोग अपने निर्देश व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दे रहा है। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) बिना किसी लिखित आदेश के काम कर रहे हैं, जो पूरी प्रक्रिया को सवालों के घेरे में लाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग ने तार्किक विसंगति नाम से मतदाताओं की एक नई श्रेणी बना दी है, जिसके आधार पर लाखों लोगों को नोटिस भेजे जा रहे हैं और सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है, जबकि इसका कोई लिखित नियम या आदेश नहीं है।

कितने नाम हटाने का दावा?

वहीं याचिका में कहा गया है कि 16 दिसंबर 2025 को प्रकाशित ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 58 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम बिना नोटिस हटाए गए। इसके अलावा करीब 1.36 करोड़ मतदाताओं को कथित तौर पर नोटिस देने की तैयारी की गई, जो पूरी तरह अव्यवस्थित और गैरकानूनी है।

दावा- आम लोगों को हो रही परेशानी

इसके साथ ही याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि बुजुर्गों, दिव्यांगों और बीमार लोगों को जबरन सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है। लंबी कतारें, दस्तावेजों को लेकर भ्रम और नोटिस में साफ कारण नहीं बताया जा रहा। राजनीतिक दलों के बूथ एजेंटों को भी मतदाताओं की मदद से रोका जा रहा है

याचिका में कोर्ट से की गई ये मांग

टीएमसी सांसदों ने कोर्ट से मांग की है कि 15 जनवरी 2026 की दावों-आपत्तियों की अंतिम तारीख बढ़ाई जाए। व्हाट्सऐप या मौखिक निर्देशों को अवैध घोषित किया जाए। चुनाव आयोग को हर निर्देश लिखित रूप में जारी करने का आदेश दिया जाए। इसके साथ ही याचिका में यह भी कहा गया है कि मतदाता सूची में नाम होना नागरिक का संवैधानिक और कानूनी अधिकार है, और इससे जुड़ी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुसार होनी चाहिए।

'रसमलाई' तंज पर भड़के अन्नामलाई, बोले- मुझे गाली देने वाले राज ठाकरे कौन?

चेन्नई। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी के नेता के. अन्नामलाई ने सोमवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा कथित तौर पर उन्हें 'अपमानित' करने के प्रयासों पर पलटवार करते हुए कहा कि मुंबई पर उनकी पिछली टिप्पणियों की आलोचना करने वाले सिर्फ अज्ञानी थे। चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अन्नामलाई ने कहा कि आदित्य ठाकरे और राज ठाकरे मुझे धमकाने वाले कौन होते हैं? मुझे किसान का बेटा होने पर गर्व है। उन्होंने सिर्फ मुझे अपमानित करने के लिए सभाएं आयोजित की हैं। मुझे नहीं पता कि मैं इतना महत्वपूर्ण हो गया हूं या नहीं।

इससे पहले, मुंबई में यूबीटी और एमएनएस की संयुक्त रैली में राज ठाकरे ने भाजपा नेता पर तीखा प्रहार किया था, जिन्हें उन्होंने व्यंग्यपूर्वक 'रसमलाई' कहा था और पूछा था कि क्या अन्नामलाई को मुंबई के मुद्दे पर बोलने का कोई अधिकार है, क्योंकि अन्नामलाई ने कथित तौर पर मुंबई को अंतर्राष्ट्रीय शहर बताया था। राज ठाकरे ने अपने चाचा बालासाहेब ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना के 1960 और 70 के दशक के नारे का हवाला देते हुए कहा था कि एक रसमलाई तमिलनाडु से आए थे... तुम्हारा यहाँ क्या संबंध है? हटाओ लुंगी बजाओ पुंगी।

एमएनएस प्रमुख का यह बयान

अन्नामलाई के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने पार्टी के लिए धारावी और सायन कोलीवाड़ा क्षेत्रों में प्रचार करते हुए कहा था कि 'मुंबई महाराष्ट्र का शहर नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय शहर है।' अन्नामलाई ने कहा था, 'मुंबई को त्रि-इंजन सरकार की जरूरत है। हमें मुंबई में भाजपा का महापौर चाहिए, राज्य में (महाराष्ट्र के) मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। मुंबई एक वैश्विक महानगर है जिसका बजट 40,000 करोड़ रुपये से अधिक है। बेंगलुरु का बजट 19,000 करोड़ रुपये है, जबकि चेन्नई का 8,000 करोड़ रुपये है। वित्त प्रबंधन के लिए प्रशासन में अच्छे लोगों की जरूरत है।'

अन्नामलाई ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें कई धमकियां मिली हैं, जिनमें से कुछ लोगों ने उनके पैर काटने की धमकी भी दी है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने लिखा है कि अगर मैं मुंबई आया तो वे मेरे पैर काट देंगे। मैं मुंबई आऊंगा - मेरे पैर काटने की कोशिश करो। अगर मैं ऐसी धमकियों से डरता तो अपने गांव में ही रहता। उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं कहूँ कि कामराज भारत के महानतम नेताओं में से एक हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि वे अब तमिल नहीं रहे? अगर मैं कहूँ कि मुंबई विश्व स्तरीय शहर है, तो क्या इसका मतलब यह है कि इसे महाराष्ट्रियों ने नहीं बनाया? ये लोग सरासर अज्ञानी हैं।' इसी यूबीटी-एमएनएस रैली में राज ठाकरे ने मराठी एकता के लिए ज़ोरदार अपील करते हुए चेतावनी दी कि राज्य की भाषा, भूमि और पहचान खतरे में है।

मनरेगा पर घमासान : जी किशन रेड्डी का आरोप, तेलंगाना कांग्रेस फैला रही है 'झूठ'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को तेलंगाना कांग्रेस पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (वीबी जी राम जी अधिनियम) में हाल ही में पारित संशोधन के संबंध में गलत जानकारी फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। मंत्री रेड्डी ने जोर देकर कहा कि यह योजना किसानों और कृषि मजदूरों के लिए बेहद लाभदायक है, क्योंकि इसके तहत अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जा रही है और मजदूरी की राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है।

तेलंगाना कांग्रेस सरकार कार्यक्रम के बारे में गलत जानकारी फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई है और किसानों और कृषि मजदूरों के लिए बेहद फायदेमंद है, क्योंकि इसके लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जा रही है और राशि सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में जमा की जा रही है। उन्होंने राज्य सरकार से केंद्र के साथ सहयोग करने का आग्रह किया ताकि जनता को अधिकतम लाभ मिल सके।

केंद्रीय मंत्री का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (पूर्व नाम एमजीएनआरईजीए) में बदलावों का विरोध जारी रखने के पार्टी के संकल्प को दोहराने के कुछ घंटों बाद आया है। खर्गे ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार इस अधिनियम के लिए धनराशि में कटौती करके गरीबों के बजाय कॉरपोरेट्स की मदद करने की कोशिश कर रही है।

बंगाल में चुनावी रणनीति को धार देगी कांग्रेस, 17 जनवरी को बैठक; तैयारियों पर करेंगे मैराथन मंथन

नई दिल्ली। चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी है। टीएमसी और भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने भी अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। इसके लिए कांग्रेस ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। बंगाल को लेकर कांग्रेस 17 जनवरी को दिल्ली में अहम बैठक करने जा रही है, जिसमें कांग्रेस के बड़े नेता बंगाल के नेताओं के साथ विधानसभा चुनाव की रणनीति को अंतिम रूप देने का काम करेंगे।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के बड़े नेता आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करने के लिए 17 जनवरी को दिल्ली में पश्चिम बंगाल के पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक भी 18 जनवरी को कोलकाता में होगी। खबरों के मुताबिक राज्य राजनीतिक कार्रवाई समिति के सदस्यों और चुनाव समिति के सदस्यों के साथ-साथ राज्य के लिए पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की अन्य बैठकें भी 18 जनवरी को कोलकाता में

होंगी।

चुनावी गठबंधन पर होगी चर्चा

सूत्रों ने बताया कि 17 जनवरी की बैठक के दौरान चुनावों के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा होने और उसे अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। कांग्रेस को यह भी तय करना है कि वह चुनावों के लिए किनके साथ गठबंधन करेगी। कांग्रेस ने सुदीप रॉय बर्मन, शकील अहमद खान और प्रकाश जोशी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

कौन-कौन से नेता होंगे बैठक में होंगे शामिल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एआईसीसी महासचिव संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल, AICC महासचिव पश्चिम बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर और पश्चिम बंगाल कांग्रेस कमेटी के प्रमुख शुभंकर सरकार सहित अन्य लोगों के 17 जनवरी की बैठक में भाग लेने की उम्मीद है। ये बैठकें पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन पर विवाद के बीच हो रही हैं, जिसकी TMC और कांग्रेस जैसी पार्टियों ने कड़ी आलोचना की है।

बिहार राजनीति में नया मोड़ : तेज प्रताप की मांग- 'भाई' नीतीश संग लालू को भी मिले भारत रत्न

पटना **(एजेंसी)**। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने मांग की है कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को नीतीश कुमार के साथ भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव को भी भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। अगर लोग कह रहे हैं कि नीतीश कुमार को यह सम्मान मिलना चाहिए, तो उन्हें भी दे दीजिए, क्योंकि कहा जाता है कि मेरे पिता और नीतीश कुमार भाई समान थे... यह जनशक्ति जनता दल की मांग है। ये टिप्पणियां जनता दल (यूनाइटेड) के नेता के.सी. त्यागी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित करने पर विचार करने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई हैं। अपने पत्र में त्यागी ने कुमार को समाजवादी आंदोलन का अनमोल रत्न बताया और कहा कि कई नेताओं को अपने जीवनकाल में यह सम्मान प्राप्त हुआ है। हाल ही में मिले पुरस्कारों का जिक्र करते हुए त्यागी ने लिखा, '30 मार्च, 2024 हमारे पूर्वजों को सम्मान देने का दिन था। आपके प्रयासों के फलस्वरूप ही उन्हें सर्वोच्च सम्मान, 'भारत रत्न' से नवाज़ा गया।' उन्होंने आगे कहा, 'आपके प्रयासों से प्रभावित होकर मैं विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि समाजवादी आंदोलन के अनमोल रत्न नीतीश कुमार भी इस सम्मान के पात्र हैं।'

हालांकि, जेडीयू ने त्यागी की अपील से तुरंत खुद को अलग कर लिया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि त्यागी के विचार संगठन की स्थिति को नहीं दर्शाते हैं। प्रसाद ने कहा, 'पूर्व पार्टी सांसद ने हाल ही में कई ऐसे बयान दिए हैं जो पार्टी की विचारधारा और आधिकारिक रुख के अनुरूप नहीं हैं। उनके द्वारा दिए गए सभी बयान उनकी व्यक्तिगत क्षमता में दिए गए माने जाएंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के पदाधिकारियों को यह स्पष्ट नहीं है कि त्यागी अभी भी पार्टी में किसी पद पर हैं या नहीं।

सम्पादकीय

क्या भारत पर जानबूझकर दबाव बना रहा अमेरिका? ट्रेड डील को लेकर तनाव के चलते उठ रहे सवाल

अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाए जाने के बाद जिस तरह से बातचीत चल रही थी, उम्मीद की जा रही थी कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंजाम तक पहुंचाने से द्विपक्षीय संबंधों में जमी बर्फ पिघल जाएगी। मगर, इस समझौते को लेकर अमेरिका जिस तरह की उदासीनता दिखा रहा है, उससे उसकी नीति और नीयत दोनों संदेह के घेरे में है।

अमेरिका के वाणिज्य मंत्री का यह कहना विचित्र और तर्कहीन है कि व्यापार वार्ता इसलिए सिरे नहीं चढ़ सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया। भारत ने इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने पिछले वर्ष आठ अवसरों पर फोन से बातचीत की और इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

ऐसे में तस्वीर साफ है कि अमेरिका व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने में अपनी नाकामी का ठीकरा भारत पर फोड़ने का प्रयास कर रहा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अमेरिका सोची-समझी रणनीति के तहत भारत पर दबाव बनाना चाहता है, ताकि वह व्यापार समझौते में मनमाने तरीके से अपनी शर्तों को आगे बढ़ा सके।

दरअसल, पिछले साल तेरह फरवरी को वाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बैठक के दौरान द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। दोनों पक्षों के बीच इसको लेकर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। मगर अमेरिकी पक्ष परस्पर हितों की बजाय अपने हितों पर ज्यादा जोर देता रहा है। हालांकि भारत यह स्पष्ट कर चुका है कि राष्ट्रहित से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

इसमें दोराय नहीं है कि अमेरिकी की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाने की घोषणा भी दबाव की रणनीति का ही हिस्सा था, जो दोनों देशों के रिश्तों में शिथिलता का कारण बना। अब अमेरिका के वाणिज्य मंत्री की ओर से प्रस्तावित व्यापार समझौते के लंबित होने के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास यह दर्शाता है कि अमेरिका जानबूझकर इसे ठंडे बस्ते में डालना चाहता है।

अमेरिका का यह रुख इसलिए भी सामने आया है, क्योंकि भारत परस्पर हितों की अपनी नीति पर पूरी तरह कायम है। रणनीतिक दबाव बढ़ाने का एक और प्रयास हाल में देखने को मिला, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नए विधेयक को मंजूरी दी, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत अन्य देशों पर पांच सौ फीसद शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया गया है। अगर इस विधेयक को संसद की मंजूरी मिल जाती है, तो इसका भारत पर खासा असर पड़ सकता है।

मगर यह बात भी सच है कि भारत अब अपनी वस्तुओं के निर्यात लिए दुनिया के दूसरे देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने का पूरी शिद्दत से प्रयास कर रहा, जो सफल भी हो रहा है। भारत ने पिछले करीब पांच माह में कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। निकट भविष्य में अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में ये समझौते महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शुल्क के अलावा, भारत-अमेरिका संबंध कई अन्य मुद्दों पर भी तनावपूर्ण हैं, जिनमें पिछले साल मई में ट्रंप की ओर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त करने का दावा किया जाना और वाशिंगटन की नई आव्रजन नीति शामिल हैं। ऐसे में अमेरिका को यह समझाना होगा कि दबाव की रणनीति के बजाय सहयोग की नीति में ही दोनों देशों के हित निहित हैं।

विकसित भारत का सपना और जहरीला पानी, इंदौर ने खोला 2047 के दावे का सच

अच्छा लगता है मुझे जब प्रधानमंत्री कहते हैं कि 2047 तक भारत पूरी तरह विकसित देश बन जाएगा। बहुत अच्छा लगता है इसलिए कि हर भारतीय का यही सपना है और मेरा भी है, लेकिन जब लोग मरते हैं गंदे पानी की वजह से हमारे सबसे स्वच्छ शहर में, तो यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि हमारे इस सपने को साकार होने में सिर्फ बीस साल और लगेंगे। इंदौर में जो हुआ, किसी हाल में न होता अगर अर्ध-विकसित देशों की श्रेणी में भारत पहुंच गया होता। महीनों से शिकायतें दर्ज हो रही थीं कि पानी के एक पाइप को बदलने की जरूरत है, लेकिन जैसा अक्सर होता है इस बात पर, उन लोगों ने ध्यान नहीं दिया जिनकी जिम्मेदारी थी समस्या का तुरंत हल ढूंढना।

आपने भी शायद देखा होगा वह वीडियो, जिसमें एक पत्रकार मंत्रीजी से पूछता है जहरीला पानी पीने से लोगों के मरने के बारे में और मंत्री की प्रतिक्रिया। गुस्से में कैलाश विजयवर्गीय पत्रकार को कहते हैं कि ऐसे सवालों के जवाब उनसे नहीं पूछे जाने चाहिए। पत्रकार ने साहस दिखा कर मंत्रीजी को कहा कि इस तरह के शब्द एक वरिष्ठ मंत्री के मुंह से नहीं निकलने चाहिए, लेकिन मंत्री ने जवाब देना जरूरी नहीं समझा। जब कुछ दिन बाद एक एसडीएम ने अपने आदेश में मंत्रीजी के उस शब्द का जिक्र किया, तो उसको निलंबित कर दिया गया। मंत्री शहरी कार्य मंत्री हैं। जब तक इस तरह की गलत परंपराएं रहेंगी अपने देश में, यकीन के साथ कहा जा सकता है कि भारत अगले चालीस वर्षों तक भी विकसित देश नहीं बन सकता है। इंदौर में जो

कैलाश विजयवर्गीय वही हैं जिनके बेटे ने कुछ साल पहले एक सरकारी अधिकारी पर बल्ला उठा कर हमला करने की कोशिश की थी। गिरफ्तार तो हुए थे मंत्रीजी के बेटे, लेकिन विशेष अदालत ने उनको रिहा कर दिया था इस आधार पर कि पुलिस आरोप सिद्ध करने में असफल रही थी।

इंदौर के जहरीले पानी के लिए कुछ छोटे-मोटे अधिकारी बर्खास्त किए गए हैं, लेकिन मंत्री को कुछ नहीं होगा। बावजूद इसके कि वे हुआ कम से कम सुर्खियों में रहा कुछ दिनों तक। इस तरह की अनेक घटनाएं होती हैं, जिनकी बात तक नहीं होती है मीडिया में। इसलिए कि ऐसे हादसे होते हैं उन बीस फीसद भारतीयों के साथ जो गरीब हैं और जिनके जीवन उतने ही बेहाल हैं जितना अति-गरीब अफ्रीकी देशों में रहने वालों का होता है।

शर्मनाक सच्चाई है यह, लेकिन इसको छुपाने से अपना देश बेहतर नहीं होने वाला है। परिवर्तन तब आएगा, जब हम अपने शासकों को याद दिलाते रहेंगे बार-बार कि उनका ध्यान जाना चाहिए उन शहरी बस्तियों की तरफ और उन अति-पिछड़े गांवों की तरफ जहां रहते हैं भारत के गरीब। मुंबई में रहती हूं, तो रोज दिखते हैं मुझे ऐसे लोग जो या तो फुटपाथों पर अपना पूरा जीवन गुजारते हैं या ऐसी गंदी बस्तियों में, जहां न साफ पानी होता है, न साफ वायु, न अच्छे स्कूल और न स्वास्थ्य सेवाएं। मुंबई जैसे महानगर में किराए इतने अधिक हैं कि बीच शहर में अगर एक 'खोली' मिल जाए, तो मासिक किराया तीस हजार रुपए से कम नहीं होता है। नतीजा यह कि पांच सितारा होटलों में नौकरी करने वाले मुलाजिम भी झुग्गी बस्तियों में रहने पर मजबूर हैं।

माना कि देश में गरीबों की संख्या काफी हद तक कम हुई है, लेकिन अभी भी गरीबी और गंदगी की समस्या इतनी ज्यादा है कि इंदौर जैसी घटनाएं होती रहेंगी। महानगरों में हर दूसरे-तीसरे दिन खबर मिलती है कि किसी सीवर को साफ करते समय लोगों की मृत्यु हो गई है। मगर आज तक ऐसी किसी घटना के बाद सुनने में नहीं आया है कि नगरपालिका ने सुरक्षित उपकरण उन लोगों के लिए अनिवार्य कर दिए हों जो हमारे सीवर साफ करने के लिए मजबूर हैं।

अब पूछिए कि हालात सुधरते क्यों नहीं हैं, तो मेरा जवाब यही होगा कि जब तक ऊपर तक अधिकारियों और नेताओं को दंडित नहीं किया जाएगा, तब तक परिवर्तन नहीं आने वाला है। विकसित देशों में मंत्री जेल भेजे जाते हैं जब उनकी लापरवाही के कारण लोग मरते हैं। हमारे देश में ऐसा नहीं होता है इसलिए कि हमारे प्रशासनिक तरीके अभी तक बिल्कुल वैसे हैं जैसे हुआ करते थे ब्रिटिश राज में। अभी तक प्रशासनिक सुधारों की कोशिश सिर्फ यह हुई है कि पासपोर्ट लेना आसान हो गया है पहले से। बिजली के बिल भरने आसान हो गए हैं। अन्य छोटी-मोटी सुविधाओं के लिए हमको आला अधिकारियों के सामने भीख नहीं मांगनी पड़ती है। मुझे याद हैं आज भी वे दिन जब रसोई गैस का सिलेंडर तभी मिलता था, जब किसी सांसद तक पहुंच होती थी। सांसदों के कोटा होते थे जो वे अपने दोस्तों और परिवारवालों में बांटते थे जैसे बहुत बड़ा अहसान उन पर कर रहे हों। अपने घर में टेलीफोन लगवाना इससे भी ज्यादा मुश्किल हुआ करता था।

इन चीजों में फर्क आया है तकनीकों में आधुनिकता आने के कारण। लेकिन जहां भी आधुनिक तकनीकों से काम नहीं बनता है, वहां वही हाल देखने को मिलता है आज भी जो दशकों पहले था। हमारे मंत्री और आला अधिकारी रहते हैं बिल्कुल वैसे, जैसे रहा करते थे अंग्रेज हुकुमरान। उनके लिए बड़ी-बड़ी कोठियां हैं जिनमें कभी गंदे पानी की समस्या नहीं होती है। बिजली चली जाए, तो जनरेटर होते हैं इनकी कोठियों में। इसलिए बहुत जल्दी भूल जाते हैं कि वे जन प्रतिनिधि हैं, राजा नहीं। इनको ठीक करना हो, तो सबसे पहले इनको सरकारी कोठियों से निकालना होगा ताकि रहने लगे उन बस्तियों में जहां रहते हैं वे लोग जिन्होंने उनको अपनी सेवा के लिए अपना कीमती वोट दिया है। सरकारी आवास देने की प्रथा बंद हो।

क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर प्रभाव पड़ेगा? समझिए इसके सियासी मायने

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दृष्टिगत राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो केंद्र में सत्तारूढ़ है, के बीच जिस तरह की सियासी जंग छिड़ी हुई है; केंद्र व राज्य की प्रशासनिक मिशनरियों के दुरूपयोग की बातें सुनी जा रही हैं, उससे साफ है कि दिल्ली की तत्कालीन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल की ही तरह पश्चिम बंगाल की मौजूदा मुखिया ममता बनर्जी को उनके पद से हटाकर ही भाजपा रहेगी।

यही वजह है कि भाजपा ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को शह प्रदान करने वाली कंपनी आई-पैक की नकेल कसने का निश्चय किया है और अपनी प्रशासनिक प्रभाव वाली मिशनरी ईडी को उसके पीछे लगा दिया है, जैसा कि आरोपी लगते आये हैं। तभी तो टीएमसी और ईडी के बीच कोयला तस्करी से जुड़े आई-पैक छापों पर विवाद तेज हो गया है, जहां ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी पर चुनावी डेटा चोरी का आरोप लगाया है। वहीं, ईडी का दावा है कि ममता ने जांच में बाधा डाली और महत्वपूर्ण दस्तावेज ले लिए। देखा जाए तो यह विवाद 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र-राज्य टकराव को उभार रहा है।

बताते चलें कि ईडी ने 7-8 जनवरी 2026 को कोलकाता और दिल्ली में आई-पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के 10 ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुईं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद ही छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बाधा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। वहीं, टीएमसी ने भी कोर्ट में ईडी पर राजनीतिक डेटा चुराने का केस ठोका, जबकि कोलकाता पुलिस ने ईडी के खिलाफ दो मामले दर्ज किए।

इस प्रकार उक्त विवाद का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट है। कुलमिलाकर यह विवाद टीएमसी को 'केंद्र की साजिश' का शिकार दिखाने में मदद कर रहा है, जो उसके वोट बैंक को एकजुट कर सकता है। जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार उजागर करने का मौका मान रही है, खासकर पुराने घोटालों (स्कूल जॉब्स, पीडीएस) के बाद। वहीं अन्य विपक्षी दल जैसे कांग्रेस और आप टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि सीपीआई(एम) इसे स्टेज्ड ड्रामा बता रहा है।

इससे पुनः यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ यह राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामा किसके पक्ष में जाएगा? शायद टीएमसी के पक्ष में, क्योंकि इस विवाद से भी ममता की 'संघर्षरत नेता' की छवि मजबूत हो रही है। वहीं, जिस तरह से नई दिल्ली में टीएमसी सांसदों के प्रदर्शन से इंडिया गठबंधन को मजबूती मिली है, उससे साफ है कि चुनावी डेटा चोरी का नैरेटिव मुस्लिम-दलित वोटों को पुनः लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही एकजुट कर सकता है। क्योंकि टीएमसी को वोट एकीकरण में मदद मिलेगी, उसकी केंद्र-विरोधी नैरेटिव मजबूत होगी। यह बात दीगर है कि यदि कोर्ट में हार मिली तो इससे उनकी छवि को धक्का पहुंचेगा।

हालांकि, भाजपा के पक्ष में सकारात्मक बात यह है कि यदि ईडी कोयला घोटाले में ठोस सबूत लाती है, तो टीएमसी नेताओं (अभिषेक बनर्जी से जुड़े केस) पर दबाव बनेगा और भाजपा 'विकास न्भ्रष्टाचार' पर हमला बोल सकेगी। वहीं, कोर्ट फैसला भाजपा को नैतिक ऊंचाई दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो, जैसा कि दिल्ली का अनुभव चुगली कर रहा है कि केजरीवाल के बाद ममता का सियासी शिकार करके ही भाजपा दम लेगी। क्योंकि भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक्सपोजर पा जाएगी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सफल होगी, जबकि जोखिम यह है कि उसपर एजेंसी दुरुपयोग का आरोप पुष्ट होगा, जिससे जनता का मूड बदला तो उसे लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सुलगता सवाल है कि आखिर इस विवाद का चुनावी प्रभाव पश्चिम बंगाल पर कितना होगा? तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद पश्चिम बंगाल के अप्रैल 2026 विधानसभा चुनावों पर सीमित, लेकिन लक्षित प्रभाव डाल सकता है, खासकर करीबी सीटों (लगभग 90) पर जहां वोट अंतर कम है। यह केंद्र-राज्य टकराव को तेज कर टीएमसी को 'पीड़ित' की छवि दे रहा है, लेकिन लंबे समय तक भ्रष्टाचार के आरोपों से उसकी साख को नुकसान पहुंचा सकता है।

जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम-दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की 'साजिश के खिलाफ लड़ाई' वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर 5-10 सीटें बचा सकता है। हालांकि, कोयला घोटाले जैसे पुराने केस दोहराने से शहरी/मध्यम वर्ग में असंतोष बढ़ेगा।

जहां तक भाजपा पर प्रभाव की बात है तो भाजपा को भ्रष्टाचार उजागर करने का नैरेटिव मिला है, जो उसके 'परिवर्तन' एजेंडे को मजबूत करेगा, विशेषकर आदिवासी/हिंदू बहुल क्षेत्रों में। यदि कोर्ट ईडी के पक्ष में फैसला देता है, तो 10-15 सीटों पर फायदा संभव; वोटर लिस्ट एंड्ढ विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोखिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल 294 सीटों में यह विवाद 20-30 सीटों तक सीमित रह सकता है, क्योंकि बंगाल में स्थानीय मुद्दे (बेरोजगारी, एंड्ढ, बांग्लादेश तनाव) हावी हैं।

सवाल है कि इस विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटें कौन-कौन सी हैं तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटों का विश्लेषण वोटर लिस्ट विवाद (एंड्ढयोजना से 56 लाख नाम हटने) से जुड़ा है, न कि सीधे ईडी छापों से। ये वे सीटें हैं जहां वोटर अंतर कम (5, 000 से कम) है और नाम हटने से टीएमसी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। प्रभावित क्षेत्र यानी 90 सीटें मुख्यतः दक्षिण बंगाल (हावड़ा, हुगली), उत्तर बंगाल (कूचबिहार, जलपाईगुड़ी), और कोलकाता उपनगरीय इलाकों में हैं। ईडी विवाद इनमें टीएमसी को सहानुभूति दे सकता है, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार फोकस बढ़ाएगी। इस विवाद से प्रभावित होने वाली प्रमुख सीटें निम्नलिखित हैंः पहला, दक्षिण 24 परगना (30द्द सीटें)ः बासिरहाट उत्तर, हरिर्पाड़ा, बस्ती हावड़ा - मुस्लिम बहुल, नाम हटने से 7.5इ प्रभाव। दूसरा, उत्तर 24 परगना (20 सीटें)ः बिद्हन्नागर, राजारहाट, बारीसपुर- शहरी, मध्यम वर्ग असंतोष। तीसरा, हुगली-हावड़ा (15-20)ः चंद्रताल, सिंगुर, पानतड़स- 2021 के करीबी मुकाबले। चतुर्थ, उत्तर बंगाल (15)ः माथाभांगा, तुलराम, फाल्टा- आदिवासी/राजबंशी प्रभावित।

क्या मनुष्य अपनी संवेदना खोता जा रहा है?

पिछले कुछ समय से समाज में आसपास होती घटनाएं इस मसले पर सोचने पर मजबूर करती हैं कि जिस संवेदना की बुनियाद पर इंसानियत टिकी हुई है, उसकी जगह क्यों सिकुड़ती जा रही है। आजकल की खबरों को देखकर मन में एक ही भाव जागता है कि क्या मनुष्य अपनी संवेदना खोता जा रहा है और क्या हमारे दिलोदिमाग से संवेदनशीलता का ह्रास हो रहा है।

ऐसी कई खबरें सामने आ चुकी हैं, जिनमें यह देखा गया कि किसी दुर्घटना के बाद घायल लोगों की मदद करने की जगह घटनास्थल पर मौजूद लोग अपने-अपने मोबाइल निकाल कर घटना का वीडियो बनाना शुरू कर देते हैं। ऐसा करते हुए लोग क्या एक बार भी नहीं सोचते कि हादसे के बाद घायल व्यक्ति के लिए एक-एक पल कितना कीमती होता है। यह सोचने के बजाय वीडियो बनाना या मूकदर्शक होकर देखते रहने वालों की भीड़ में दिमागी तौर पर लोगों का अनुपस्थित होना संवेदनहीनता नहीं, तो और क्या है।

सच तो यह है कि मनुष्य का दिल या कहें कि मानव मन अनेक प्रकार की भावनाएं, एहसास, बोध, चेतना, सहानुभूति, हमदर्दी, वेदना आदि समेटे हुए होता है। इसलिए हमारी आंखों के सामने घटित होने वाली किसी भी घटना या दुर्घटना के तुरंत बाद सर्वप्रथम हमारे मन में घायल लोगों की मदद करने का भाव जागना चाहिए, मगर वर्तमान में संवेदनशीलता खोता आदमी या तो अपने मोबाइल में घटना का वीडियो बनाना शुरू कर देता है या किसी एक अनजान भय से घटनास्थल से पलायन ही कर जाता है।

वीडियो बनाने वाला व्यक्ति अपनी ही संवेदना खो चुका होता है या फिर उस पर प्रचार की भूख हावी होती है और दूसरी ओर अनजान भय से घटनास्थल से पलायन करने वाला व्यक्ति कानूनी जटिलताओं में फंसने से लेकर मदद करने के क्रम में वक्त 'जाया होने' के डर से ऐसा करता है। फिर कई बार किसी व्यक्ति की प्रकृति ही मदद न करने या फिर मुश्किल में मदद न करने वाले की होती है।

हालत यह है कि अगर किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए मदद करने की जरूरत होती है और कोई व्यक्ति आवाज लगा रहा होता है, तो भी पास से गुजर रहे वाहन रुकते नहीं। दस मिनट में पिज्जा पहुंचाने वाले शहरों में भी एंबुलेंस घंटे भर के इंतजार के बाद ही पहुंचती है। इतनी देर में कई बार मरीज की जान पर बन आती है या उसे बचाना मुश्किल हो जाता है। आमतौर पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों की मदद न करने के अनेक बहाने हम अपने मन में झटपट गढ़ लेते हैं।

उदाहरण के तौर पर यह कि अब पुलिस के झंझट में कौन पड़ेष्ठ या इसके बाद कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ेंगे। कई बार तो किसी बैठक में हिस्सा न ले पाने या या हवाई जहाज के छूट जाने का बहाना हमारा मन सोच लेता है। दरअसल, इसे बहाना ही कहा जा सकता है, क्योंकि क्या किसी व्यक्ति की जान से ज्यादा कीमत किसी बैठक की या हवाई जहाज के छूट जाने से की जा सकती है?

अस्पतालों में भी संवेदनाओं का अभाव के मामले आम दिखते हैं। उदाहरण के तौर पर मरीजों के इलाज के लिए फार्म या पर्ची भरे बगैर या पैसा जमा किए बगैर या फिर पुलिस के आने से पहले मरीज का इलाज नहीं किया जाता, भले ही मरीज गंभीर अवस्था में हो और उसे आपात चिकित्सा की जरूरत है।

संवेदनहीनता तब भी दिखाई देती है जब किसी परिचित या दूर के किसी रिश्तेदार के घर में हुई गमी यानी किसी की मौत के बाद लोग दुख में शामिल होने उनके घर पहुंचने के बजाय अपने मोबाइल पर 'रेस्ट इन पीस' या 'विनम्र श्रद्धांजलि' लिख कर अपने कर्तव्य की ईतिश्री मान लेते हैं। सोच कर देखा जा सकता है कि क्या किसी गमजदा व्यक्ति के मोबाइल में आया संदेश सकी मानसिक-भावनात्मक मदद करेगा या उसके कंधे पर किसी अपने का आश्वासन देने वाले हाथ उसे ज्यादा अच्छे लगेंगे।

इसके विपरीत संवेदनहीनता के इस वर्तमान समय में भी कुछ लोग ऐसे हैं, जो मदद के लिए दौड़ पडते हैं। हम सबने सोशल मीडिया पर अनेक ऐसे समूह देखे होंगे, जो गुड मार्निंग, गुड नाइट के साथ दिनभर लतीफे तथा मीम या मनोरंजक रील एक-दूसरे को भेजते रहते हैं, लेकिन इसी सोशल मीडिया पर कुछ समूह ऐसे भी हैं, जो सिर्फ मदद करने के उद्देश्य से बने हैं। रक्त दान करने वालों का एक समूह ऐसा भी है जो देश भर के अस्पतालों में अपने नेटवर्क के जरिए जरूरतमंदों को खून देने पहुंच जाते हैं।

कुछ समय पहले एक नन्हे बालक के ह्रदय में छेद था, जिसका आपरेशन करवाना जरूरी था। साथ ही खर्च बहुत था, जिसे उसके माता-पिता उठाने में सक्षम नहीं थे। मगर सोशल मीडिया पर किसी भले मानुष ने इस संबंध में लिख कर जारी किया। इसके बाद मदद के लिए अनेक हाथ उठे और उससे नन्हे बच्चे का आपरेशन एक बड़े अस्पताल में बिना दिक्कत हो गया।

समुद्र अब केवल व्यापार का रास्ता नहीं रहा वह महाशक्तियों की ताकत परखने की प्रयोगशाला बन गया है

अटलांटिक महासागर के खुले पानी में एक दिन पहले जो घटा, उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है। अमेरिका ने रूसी झंडे वाले एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया, जिसका सीधा संबंध वेनेजुएला के तेल व्यापार से बताया जा रहा है। यह वही टैंकर है, जिसे लेकर बीते कुछ सप्ताह से अमेरिका और रूस के बीच जबरदस्त तनाव चल रहा था। जानकारी के अनुसार, अमेरिका का आरोप था कि यह जहाज प्रतिबंधों को तोड़कर वेनेजुएला का कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में लगा हुआ था। अमेरिका का कहना है कि यह तेल अवैध तरीके से बेचा जा रहा था और इससे वेनेजुएला सरकार को आर्थिक सांस मिल रही थी। इसी आधार पर अमेरिका ने समुद्र में इस टैंकर को रोकने और अपने नियंत्रण में लेने का फैसला किया।

इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बना दिया रूस के कदम ने। रूस ने इस टैंकर की सुरक्षा के लिए अपनी पनडुब्बी और अन्य नौसैनिक जहाज तैनात कर दिए। यह साफ संदेश था कि मॉस्को इस जहाज को केवल एक व्यापारिक पोत नहीं बल्कि अपनी रणनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़ा मामला मान रहा है। समुद्र में अमेरिकी और रूसी नौसेनाएं आमने सामने रहीं। आखिरकार अमेरिका ने टैंकर को अपने कब्जे में ले लिया, जिसके बाद रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

रूस ने इस कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का उल्लंघन बताया और कहा कि अमेरिका खुले तौर पर समुद्री डकैती पर उतर आया है। वहीं अमेरिका ने इसे प्रतिबंध लागू करने की वैध कार्रवाई बताया। इस एक टैंकर ने दो महाशक्तियों को ऐसी टकराव की स्थिति में ला दिया, जिसने शीत युद्ध की यादें ताजा कर दीं।

देखा जाये तो यह घटना किसी एक जहाज की कहानी नहीं है। यह उस बदलती हुई दुनिया की तस्वीर है, जहां ताकतवर देश नियम बनाते भी हैं और उन्हें तोड़ते भी हैं। समुद्र के बीच एक तेल टैंकर आज अमेरिका और रूस के बीच शक्ति संघर्ष का प्रतीक बन चुका है। अमेरिका का रवैया साफ है। वह वेनेजुएला को घुटनों पर लाने के लिए हर हद पार करने को तैयार है। तेल वेनेजुएला की जीवन रेखा है और अमेरिका उसी रेखा को काट देना चाहता है। टैंकर की जब्ती यह बताती है कि अब अमेरिका केवल आर्थिक प्रतिबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि उन्हें बंदूक और युद्धपोत के दम पर लागू करने की नीति अपना चुका है।

वहीं, रूस के लिए यह केवल वेनेजुएला का सवाल नहीं है। यह उसकी वैश्विक साख और प्रभाव का सवाल है। अगर रूस अपने सहयोगी देशों के व्यापार और संसाधनों की रक्षा नहीं कर पाता, तो उसकी ताकत केवल भाषणों तक सिमट कर रह जाएगी। इसी कारण मॉस्को ने पनडुब्बी और युद्धपोत भेजकर यह दिखा दिया कि वह समुद्र में भी अमेरिका को खुली चुनौती देने से नहीं डरेगा।

सामरिक दृष्टि से देखा जाये तो यह टकराव बेहद महत्वपूर्ण है। पहली बात, यह संघर्ष समुद्री मार्गों को युद्ध क्षेत्र में बदल रहा है। अब समुद्र केवल व्यापार का रास्ता नहीं रहा, बल्कि वह महाशक्तियों की ताकत परखने की प्रयोगशाला बन गया है। दूसरी बात, पनडुब्बियों और युद्धपोतों की तैनाती बताती है कि किसी भी समय एक छोटी घटना बड़े सैन्य टकराव में बदल सकती है।

देखा जाये तो तेल की राजनीति इस पूरे खेल के केंद्र में है। वेनेजुएला के पास विशाल तेल भंडार हैं और उस पर नियंत्रण का मतलब है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव। अगर अमेरिका इसमें सफल होता है, तो वह तेल की कीमतों और आपूर्ति को अपने हितों के अनुसार मोड़ सकेगा। वहीं रूस और उसके साथी देश चाहते हैं कि पश्चिमी दबदबा टूटे और वैकल्पिक व्यवस्था खड़ी हो।

साथ ही दो महाशक्तियों की इस भिडंत का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। सबसे पहला असर ऊर्जा कीमतों पर होगा। अनिश्चितता बढ़ते ही तेल और गैस की कीमतें उछलेंगी, जिसका बोझ सीधे आम जनता पर पड़ेगा। दूसरा असर वैश्विक राजनीति पर होगा। छोटे और मध्यम देश दबाव में आ जाएंगे कि वे किस खेमे में खड़े हों। साथ ही यह टकराव दुनिया को नए गुटों में बांट सकता है। एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व वाला पश्चिमी समूह होगा, तो दूसरी तरफ रूस के साथ खड़े वे देश होंगे जो अमेरिकी वर्चस्व से असहज हैं। यह विभाजन व्यापार, तकनीक और सुरक्षा सभी क्षेत्रों में दिखाई देगा। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अंतरराष्ट्रीय कानून अब ताकतवर देशों के लिए केवल एक हथियार बनता जा रहा है। जब जरूरत हो तो कानून की दुहाई दी जाती है और जब जरूरत न हो तो उसे ताक पर रख दिया जाता है। इससे वैश्विक व्यवस्था की नींव कमजोर होती है।

बहरहाल, यह कहना गलत नहीं होगा कि यह टैंकर भविष्य की झलक है। आने वाले समय में ऐसे टकराव और तेज होंगे। समुद्र, आकाश और ऊर्जा संसाधन नई जंग के मैदान बनेंगे। अमेरिका और रूस की यह रस्साकशी केवल दो देशों की नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ी हुई है।

भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय पर विशिष्ट व्याख्यान

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्त्वावधान में गतिमान तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में आज भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय पर देश के ख्यातिलब्ध आयुर्वेद चिकित्सकों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। प्रो. प्रेम स्वरूप श्रीवास्तव, पूर्व प्राचार्य, स्टेट आयुर्वेदिक कालेज, लखनऊ ने भारतीय ज्ञान परम्परा में आयुर्वेदीय रोग निदान पद्धति पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद निदान पद्धति के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक एवं वैज्ञानिकता से ओतप्रोत हैं। इस क्रम में डॉ. हरिशंकर मिश्रा, विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण ललित हरि स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, पीलीभीत ने भारतीय ज्ञान परम्परा में वृक्षायुर्वेद पर दिये अपने व्याख्यान में आयुर्वेद में वृक्षों की महत्ता एवं विभिन्न वृक्षों के औषधीय गुणों से परिचित कराया। प्रो. वीरेन्द्र कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष कौमारभृत्य, राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय,

वाराणसी ने भारतीय ज्ञान परम्परा में कौमारभृत्य तथा प्रो. अंजना सक्सेना, विभागाध्यक्ष, प्रसूतितंत्र एवं स्त्रीरोग, राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय, वाराणसी ने स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र पर अपने व्याख्यानों द्वारा कार्यशाला मे उपस्थित छात्र-छात्राओं को लाभान्वित किया। कार्यशाला के साथ ही साथ परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के छात्र-छात्राओं ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का संयोजन अंकित मिश्र ने किया। राष्ट्रीय युवा दिवस पर मुख्यालय में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में परिसरीय छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से सम्मिलित होकर स्वामी विवेकानन्द के जीवन वृत्त एवं उनके दर्शन से सम्बन्धित चर्चा में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, श्री रामसुरेश तिवारी, श्री राजेशकान्त तिवारी अन्य परिसरीय कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं के साथ अन्य शोध छात्र-छात्राएँ समुपस्थित रहे।

माघ मेला क्षेत्र में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

ध्यान-योग एवं स्वास्थ्य शोध प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत जनसेवा का संकल्प

प्रयागराज, आज 12 जनवरी को माघ मेला क्षेत्र के अपर संगम मार्ग पर आज ध्यान-योग एवं स्वास्थ्य शोध व प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का विधिवत उद्घाटन संस्था की अध्यक्षा डॉ. शिशिर उपाध्याय द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, साधकों एवं स्थानीय नागरिकों ने शिविर का लाभ उठाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेश सचिव डॉ. एस. एस. उपाध्याय ने बताया कि परिषद द्वारा माघ मेला अवधि में प्रतिदिन निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का विज्ञान है और ऐसे शिविर जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर में आयुर्वेदिक परामर्श के साथ-साथ योग, ध्यान, दिनचर्या, ऋतुचर्या एवं रोग-निवारण संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। उपस्थित चिकित्सकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य रोगोपचार के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

आज के उद्घाटन कार्यक्रम में परिषद के राष्ट्रीय सदस्य डॉ. पी. एस. पांडेय, डॉ. एम. डी. दुबे, डॉ. बी. एस. रघुवंशी, डॉ. एस. सी. दुबे, डॉ. बी. डी. तिवारी, डॉ. जे. नाथ, बी. डी. द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, आयुर्वेद प्रेमी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में संस्था की अध्यक्षा डॉ. शिशिर उपाध्याय ने सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद का यह सेवा अभियान पूरे माघ माह तक निरंतर चलता रहेगा और अधिक से अधिक लोगों तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

स्वामी विवेकानंद का वैचारिक दर्शन विकसित भारत का नव प्रभात गढ़ेगा : डॉ. नरेंद्र सिंह गौर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री पवन कुमार मिश्रा राष्ट्रवादी के संयोजन में स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती समारोह राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में धर्मवीर मूर्ति चौराहा मुडेरा में आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद की सचित्र पर दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम् गीत के साथ शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद धर्म एवं आध्यात्मिक के रास्ते पर चलकर राष्ट्र का यश गान शिकागो की धर्म सभा में अपने ओजस्वी वचनों से दिया था जो हर भारतवासियों के लिए गर्व था।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद नौजवानों के आदर्श और प्रेरणा पुंज रहे और आगे कहा कि देश की युवा पीढ़ी राष्ट्र के नवनिर्माण के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करें क्योंकि स्वामी विवेकानंद का

वैचारिक दर्शन ही विकसित भारत का नव प्रभात गढ़ेगा इस अवसर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि युवा मोर्चा के प्रदेश कर समिति सदस्य विमलेश पटेल, भाजपा नेता डॉक्टर शैलेश पांडे, भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, प्रण विजय सिंह, प्रमोद मोदी, एवं संत मदर टेरेसा स्कूल के प्रबंधक प्रखर श्रीवास्तव ने स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र प्रदर्शन डाला कार्यक्रम का संचालन करते हुए पवन मिश्रा राष्ट्रवादी ने आए हुए अतिथियों का स्वामी विवेकानंद की सचित्र एवं पुस्तक देखकर सम्मानित किया।

इस अवसर रुपेश कुशवाहा बबलू, पार्षद अनिल कुशवाहा सुनील केसरवानी, आकाश गुप्ता, चंद्रसेन शर्मा, राकेश कपूर पीयूष सिंह ऋषि तिवारी , दिग्विजय मनीष केसरवानी, कुंज बिहारी तिवारी और सैकड़ो की संख्या में नौजवान युवा एवं बच्चों की भागीदारी उपस्थिति रही।

बृज भूषण शरण सिंह के प्रयासों से हुआ आयोजन संपन्न

अयोध्या में राष्ट्र कथा के सात दिनों में उमड़ा जनसैलाब

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अयोध्या के प्रक्षेत्र नंदिनी निकेतन में 1 जनवरी से 8 जनवरी तक आयोजित राष्ट्र कथा महोत्सव ने श्रद्धा, अनुशासन और राष्ट्र चेतना का सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया। सात दिनों तक चले इस आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्त शामिल हुए, जिससे संपूर्ण क्षेत्र एक आध्यात्मिक वातावरण में परिवर्तित हो गया। राष्ट्र कथा का आयोजन बृज भूषण शरण सिंह की पहल और मार्गदर्शन में किया गया था। आयोजन का उद्देश्य राम कथा के माध्यम से समाज को सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रबोध से जोड़ना था। पहले दिन से ही कथा में निरंतरता, व्यवस्था और गंभीरता देखने को मिली, जिसने भक्तों के अनुभव को और अधिक प्रभावशाली बनाया। परम पूज्य सद्गुरु रितेश्वर महाराज द्वारा प्रस्तुत राम कथा में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन प्रसंगों के माध्यम से कर्तव्य, संयम, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर प्रकाश डाला गया। कथा के प्रत्येक सत्र में श्रद्धालुओं की सक्रिय सहभागिता रही।

एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

राजमाता जीजाबाई एवं स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

राष्ट्रीय युवा दिवस पर भारत की युवा शक्ति को अनेकानेक शुभकामनायें

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। राजमाता जीजाबाई एवं स्वामी विवेकानन्द की जयंती तथा राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज ने समस्त देशवासियों, विशेषकर युवाओं को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ माघ मेला प्रयागराज से दी।

आज माघ मेला के दौरान परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, प्रयागराज में दर्शनार्थ आये प्रयागराज हाईकोर्ट के निर्वतमान सीनियर जज सुधीर मेमन जी, अनेक अधिवक्तावृंद, न्यायपालिका की विशिष्ट विभूतियां, उन्होंने पूज्य स्वामी से कहा कि आपने प्रयागराज में त्रिवेणी पुष्प के रूप में एक नया परमार्थ निकेतन बना दिया है, जो दर्शन, संस्कार व संस्कृति का अद्भुत केन्द्र बनकर उभर रहा है। यहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु आते है और इस दिव्य व भव्यता के साथ दिव्य संगम आरती का दर्शन करते हैं।

पूज्य स्वामी के पावन सान्निध्य में सुधीर मेमन और सभी

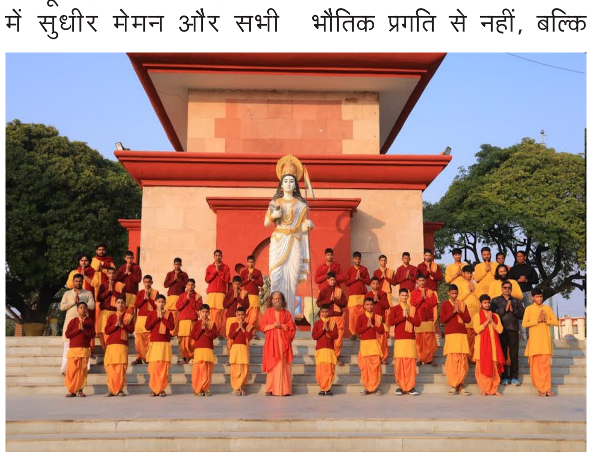

अधिवक्तावृंद ने अमर जवान ज्योति, इण्डिया गेट के दर्शन कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्वामी देवभक्ति के साथ देश भक्ति का संदेश दिया।

पूज्य स्वामी ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल भौतिक प्रगति से नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, करुणा, सहिष्णुता और आत्मिक चेतना से होगा। जब युवा अपने भीतर विवेकानन्द का साहस और जीजाबाई के संस्कार धारण करेंगे, तभी भारत सशक्त, सुरक्षित और समरस बनेगा। पूज्य स्वामी ने कहा कि आज आवश्यकता है कि युवा सोशल मीडिया से आगे बढ़कर 'सोशल सेवा' की ओर कदम बढ़ाएँ। केवल पोस्ट करने से नहीं, बल्कि स्वयं को राष्ट्रनिर्माण के कार्यों में समर्पित हो।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जो केवल विकसित ही नहीं, बल्कि दिव्य, करूणामय और धर्मनिष्ठ हो। परमार्थ निकेतन की ओर से समस्त देशवासियों को राजमाता जीजाबाई एवं स्वामी विवेकानन्द की जयंती तथा राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला में दो दिवसीय नेचुरोपैथी सेमिनार का शुभारंभ

प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने से बीमारियों से बचाव संभव : डीआईजी

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पंडिला के मेंस क्लब में आयोजित दो दिवसीय नेचुरोपैथी सेमिनार का उद्घाटन डीआईग्रुप केंद्र धीरज कुमार ने किया। सेमिनार में नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. रमेश टवानी ने प्राकृतिक उपचार एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।डॉ. रमेश टवानी ने सीआरपीएफ के अधिकारियों, जवानों व कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि अज्ञानता के कारण व्यक्ति को बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं।

बीमारी से बचाव के लिए सबसे पहले अज्ञानता को दूर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मानव शरीर एक मशीन की तरह है, जिसकी सही देखभाल जरूरी है। सही आहार, पर्याप्त नींद, सकारात्मक सोच और नियमित दिनचर्या से अनेक रोगों से बचा जा सकता है।उन्होंने बताया कि अच्छी नींद आने से कई प्रकार की बीमारियां स्वतः दूर हो जाती हैं। हार्ट अटैक की घटनाएं महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों में अधिक होती हैं, जिसका प्रमुख कारण गलत खान-पान, गलत सोच और अव्यवस्थित जीवनशैली है। आज का व्यक्ति प्रकृति से दूर होता जा रहा है, जबकि प्रकृति से दोस्ती कर शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। प्राकृतिक

उपचार पद्धति अपनाकर बिना दवा के भी कई रोगों से मुक्ति पाई जा सकती है।डीआईधीरज कुमार ने सेमिनार को उपयोगी बताते हुए कहा कि जवानों का शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। नेचुरोपैथी जैसी पद्धतियां जवानों को तनावमुक्त रखने में सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।इस अवसर पर डॉ. सी.एल. चाहर, उप कमांडेंट राकेश त्रिपाठी, के .के. झा, श्रीनिवास, सहायक कमांडेंट अविनाश राय, शैलेश कुमार सिंह, समय जैन, आर.डी. त्रिपाठी, सहित बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के अधिकारी, के अलावा निरीक्षक रवि रंजन निरीक्षक मंत्रालय सुजाता एम बी एस एम राम सिंह प्रमिला जवान, व महिलाएं उपस्थित रहीं।

आरएसएस ने स्थापना दिवस को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2025 को 'शताब्दी वर्ष' के रूप में मना रहा है। इसी क्रम में जनवरी माह में युवाओं को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने हेतु विभिन्न युवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक विशेष 'गौरव यात्रा' का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना रहा। इस अवसर पर साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उत्तर जिला के स्वयंसेवक स्वर्गीय सूर्यकांत निराला को सम्मानित किया गया।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर 100 युवाओं द्वारा स्वर्गीय सूर्यकांत निराला के परिवार को सम्मान प्रदान किया गया। युवाओं ने उनके साहित्यिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरणास्रोत बताया।

कार्यक्रम में काशी प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह राजबिहारी आशीष मोहन भाग संघचालक राम सिंगार ब्रह्मशंकर युवा कार्यक्रम संयोजक वरुण जी, प्रतीक सहित अनेक स्वयंसेवक एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने शताब्दी वर्ष के अवसर पर राष्ट्र, समाज और संस्कृति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

यह गौरव यात्रा न केवल युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी, बल्कि समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले व्यक्तियों के सम्मान की एक सशक्त मिसाल भी प्रस्तुत की।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर विशाल युवा सम्मेलन का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वामी विवेकानंद की जयंती के पावन अवसर पर 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर एक विशाल युवा सम्मेलन का आयोजन सर पी सी बी छात्रावास में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता कर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिवप्रताप (जिला प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) उपस्थित रहे। उनके साथ हरेश प्रताप सिंह (सदस्य, लोक सेवा आयोग) तथा राजीव मिश्र (संपदा अधिकारी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) भी विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक बताया और कहा कि सशक्त, संस्कारित एवं राष्ट्रनिष्ठ युवा ही मजबूत भारत की नींव रख सकते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, सेवा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलकर समाज व देश के उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में युवाओं ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने और राष्ट्र निर्माण हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

लक्ष्मी निवास में अपने रोल को लेकर राजेंद्र चावला ने बताईं खास बातें

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'लक्ष्मी निवास' में श्रीनिवास का किरदार निभा रहे सीनियर एक्टर राजेंद्र चावला कहते हैं कि श्रीनिवास उस हर मिडिल क्लास आदमी का आईना है, जो चुपचाप अपने परिवार के सपनों का बोझ अपने कंधों पर उठाए चलता है। यह शो एक ऐसे दंपति की कहानी दिखाता है, जिसने दशकों तक किराए के घर में ज़िंदगी बिताई और अब अपना घर बनाने का सपना देखने की हिम्मत जुटा रहे हैं। परिवार के मुखिया के रूप में श्रीनिवास कम बोलने वाला, लेकिन गहराई से महसूस करने वाला इंसान है, जिसकी पूरी दुनिया उसकी पत्नी, उसके बच्चे और वे मूल्य हैं, जिन्हें वो दिल से मानता है। इस बातचीत में राजेंद्र चावला बताते हैं कि श्रीनिवास की दुनिया में उतरना उनके लिए कैसा रहा, स्क्रीन पर एक लंबे वैवाहिक रिश्ते की भावनात्मक समझ कैसे बनी और क्यों ये कहानी लाखों भारतीय परिवारों की अपनी-सी लगती है। 'लक्ष्मी निवास' में देखिए लक्ष्मी और श्रीनिवास की ये दिल छू लेने वाली कहानी, 12 जनवरी से, सिर्फ ज़ी टीवी पर। 'लक्ष्मी निवास' की कहानी के बारे में बताइए और इसमें ऐसा क्या है जो इसे खास बनाता है?

'लक्ष्मी निवास' लक्ष्मी और श्रीनिवास की एक दिल से जुड़ी कहानी है। दोनों पिछले 35 साल से किराए के घर में रह रहे हैं और अब जब रिटायरमेंट करीब है, तो वे अपने उस सपने को पूरा करने की कोशिश करते हैं, जो हर मिडिल क्लास परिवार का होता है, यानी अपना खुद का घर। ये कहानी हर भारतीय परिवार से जुड़ती है, जहां पैसों की चुनौतियां, परिवार की उम्मीदें और आपसी प्यार साथ-साथ चलते हैं।

भिवंडी मनपा चुनाव में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के उम्मीदवारों को कल्याण रोड संघर्ष समिति का खुला समर्थन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका चुनाव 2025-26 के मद्देनज़र कल्याण रोड व्यापारी व रहिवाशी संघर्ष समिति ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सभी अधिकृत उम्मीदवारों को खुला और सार्वजनिक समर्थन देने की घोषणा की है। यह घोषणा सोमवार, 12 जनवरी को की गई। इस अवसर पर संघर्ष समिति के अध्यक्ष शादाब उस्मानी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हमेशा कल्याण रोड क्षेत्र के व्यापारियों और रहिवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना है। उन्होंने बताया कि बीते दस वर्षों में दो बार क्षेत्र की दुकानों, मकानों और धार्मिक स्थलों को तोड़फोड़ से बचाने में शिंदे साहब की अहम भूमिका रही है। उस्मानी ने कहा,

'जो हमारे सुख-दुख में हमारे साथ खड़ा रहा, उसका साथ देना हमारा नैतिक कर्तव्य है।'इसी भावना के तहत संघर्ष समिति की ओर से कल्याण रोड के सभी व्यापारी भाइयों और रहिवासियों से अपील की गई है कि भिवंडी शहर में जहां-जहां शिंदे गुट के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, उन्हें अपना बहुमूल्य मत देकर विजयी बनाएं। विशेष रूप से कल्याण रोड क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13, 15 और 09 के उम्मीदवारों के समर्थन में मतदान करने की अपील की गई है, ताकि अधिक से अधिक जनप्रतिनिधि जीतकर महानगरपालिका में क्षेत्र के हितों की मजबूती से आवाज उठा सकें।संघर्ष समिति के महासचिव राम लाहारे ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज की राजनीति में बिल्डर लॉबी का दबाव कई नेताओं पर देखने को मिलता है, लेकिन इसके बावजूद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आज भी आम जनता और उनके अधिकारों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेता का समर्थन करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस समर्थन घोषणा के बाद भिवंडी मनपा चुनाव में राजनीतिक सरगर्मी और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

भिवंडी मनपा चुनाव पारदर्शिता व शांति से करने हेतु चुनाव प्रशासन व पुलिस सिस्टम अलर्ट

पुलिस ने किया 350 लोगो पर प्रतिबंधक कार्रवाई, 305 लायसेंसी हथियार कराया जमा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा चुनाव पारदर्शिता व शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करने हेतु चुनाव प्रशासन व पुलिस सिस्टम पूरी तरह से अलर्ट हो गई है।जिसके तहत पुलिस ने शहरभर से जहां 305 लाइसेंसी हथियार जमा किए हैं,वही अपराधिक प्रवृत्ति वाले 350 लोगो पर प्रतिबंधक कार्रवाई की गई है।साथ ही मनपा प्रशासन भी चुनाव कराने की तैयारी पूरी कर ली है।

भिवंडी में चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में है।इस दौरान शहर के अलग-अलग जगहों पर गाली-गलौज और लड़ाई-झगड़े की कई घटनाएं घटित होने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गई है।15 जनवरी को होने वाले चुनाव के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने व शांतिपूर्वक मतदान करने के लिए पुलिस आपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगोंबकी धरपकड़ शुरू की है।पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराडे ने बताया कि चुनाव की घोषणा के बाद से शहर के छहों पुलिस स्टेशन के बीच अब तक 350 से ज्यादा लोगों प्रतिबन्धक के तहत कार्रवाई की गई है,जबकि यह कार्रवाई बदस्तूर जारी है।उन्होंने बताया कि मनपा क्षेत्र 305 लाइसेंसी लोगों के हथियार जमा किए हैं।साथ ही 24 क्रिमिनल्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ अलग-अलग पुलिस थानों में केस दर्ज किए गए हैं। इसी के तहत पुलिस ने 10 रिवॉल्वर और 16 धारदार हथियार ज़ब्त किए हैं। एक व्यक्ति को एमपीडी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। जबकि पांच आरोपियों को तड़ीपार किया गया है।इसके साथ ही पुलिस ने शहर के अलग-अलग गांवों की शराब की दुकानों पर रेड मारकर 34 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और 2574 लीटर शराब जब्त की है। चुनाव के समय पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में दहशत फैल गया।जिसके कारण चुनाव शांति से कराने में मदद मिलेगी

घर से 2.40 लाख रुपये के सोने के जेवर चोरी, महिला पर मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी के मानकोली इलाके में एक घर से सोने के जेवर चोरी होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के बेडरूम की अलमारी से करीब 2 लाख 40 हजार रुपये मूल्य के सोने के 4 बांगड़े चोरी कर लिए गए। इस मामले में नारपोली पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता श्रीमति बद्रेजबीन तन्वीर वडवान,जो मानकोली इलाके की निवासी हैं, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 9 जनवरी की सुबह 6 बजे से 10 जनवरी की सुबह 10 बजे के बीच किसी अज्ञात समय में उनके घर की अलमारी से सोने के बांगड़े गायब हो गए। जांच में सामने आया है कि चोरी का आरोप संगीता बाटका (40), निवासी मानकोली, पर लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि संगीता बाटका ने मौका पाकर अलमारी से जेवरात चुरा लिए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 306 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी किए गए जेवर कहां ले जाए गए और क्या इसमें कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है।

मनपा चुनाव के दिन मतदाताओं को मिलेगी सवेतन छुट्टी, आयुक्त की अपील

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की सार्वत्रिक चुनाव प्रक्रिया के तहत 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान के दिन मतदाताओं को सवेतन छुट्टी देने के निर्देश जारी किए गए हैं। महाराष्ट्र सरकार के उद्योग, ऊर्जा, कामगार एवं खनिकर्म विभाग द्वारा 30 दिसंबर 2025 को जारी परिपत्र के अनुसार यह आदेश लागू रहेगा। इस परिपत्र के अनुपालन में भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने शहर के सभी औद्योगिक, व्यापारिक और निजी आस्थापनों से अपील की है कि वे अपने यहां कार्यरत मतदाता कर्मचारियों, अधिकारियों एवं मजदूरों को मतदान के दिन सवेतन छुट्टी प्रदान करें, भले ही वे कर्मचारी काम के सिलसिले में निर्वाचन क्षेत्र से बाहर कार्यरत क्यों न हों। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यह आदेश निजी कंपनियों, दुकानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, होटल, भोजनालय, थिएटर, औद्योगिक इकाइयों, आईटी कंपनियों, शॉपिंग सेंटर, मॉल और रिटेल प्रतिष्ठानों पर भी समान रूप से लागू होगा। सभी संस्थानों को 30 दिसंबर 2025 के शासन परिपत्र के अनुसार मतदान के लिए सवेतन अवकाश देना अनिवार्य है। इसके साथ ही, जिन अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़ी संस्थाओं में पूर्ण अवकाश देना संभव नहीं है, वहां कर्मचारियों को मतदान के लिए दो से तीन घंटे की विशेष छूट देने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि वे अपने मतदान के अधिकार का उपयोग कर सकें। भिवंडी निजामपुर मनपा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से आयुक्त अनमोल सागर ने सभी आस्थापनों और संस्थानों से सहयोग की अपील की है। प्रशासन ने नागरिकों से भी आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

भिवंडी महानगरपालिका में जिजाऊ मां साहेब व स्वामी विवेकानंद को दी गई श्रद्धांजलि

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से जिजाऊ मां साहेब और स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर सोमवार को महानगरपालिका मुख्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 29 दिसंबर 2025 को जारी परिपत्र के तहत मनपा प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके तथा सहायक आयुक्त (चुनाव) नितिन पाटील ने जिजाऊ मां साहेब और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें अभिवादन किया।

इस अवसर पर चुनाव विभाग प्रमुख अजित महाडिक, आस्थापना विभाग प्रमुख कल्याणी चन्ने, उद्यान विभाग प्रमुख निलेश शंखे, वाहन विभाग प्रमुख प्रशांत शंखे, वाराणसी विभाग प्रमुख सुरेखा पावड़े, क्रीड़ा विभाग प्रमुख निहाला मोमीन सहित महानगरपालिका के बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।कार्यक्रम के माध्यम से जिजाऊ मां साहेब के त्याग और स्वामी विवेकानंद के विचारों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया गया।

भिवंडी में 'प्रेस इंडिया 18' लिखी इनोवा से अवैध शराब जब्त, पालिका के भरारी पथक की बड़ी कार्रवाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका के भरारी पथक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 'प्रेस इंडिया 18' लिखी हुई एक इनोवा कार से भारी मात्रा में देशी और अंग्रेजी शराब जब्त की है। यह कार्रवाई दावत चौक स्थित भंडारी कंपाउंड इलाके में की गई। मामले में नारपोली पुलिस थाने में महाराष्ट्र मद्य निषेध कानून के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 10:40 बजे भरारी पथक को गुप्त सूचना मिली थी कि एक इनोवा कार के माध्यम से अवैध रूप से शराब की ढुलाई की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद पालिका के सहायक आयुक्त (प्रभाग समिति-4) गिरीश घोष्टेकर के नेतृत्व में भरारी पथक ने संबंधित इलाके में नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रॉयल चैलेंज कंपनी की 20 बोतलें और 45 बोतल देशी शराब बरामद हुईं। जब्त की गई शराब की कुल कीमत लगभग 8,600 रुपये आंकी गई है। संबंधित इनोवा कार का पंजीकरण क्रमांक एमएच-04 जेडी-1100 बताया गया है, जिस पर बड़े अक्षरों में 'प्रेस इंडिया 18' लिखा हुआ था। इसी वजह से यह मामला और भी संवेदनशील व गंभीर माना जा रहा है। भरारी पथक ने मौके पर ही शराब, वाहन और उससे जुड़े दस्तावेज जब्त कर पूरे मामले को नारपोली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर यह जांच शुरू कर दी है कि वाहन का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा था, वाहन पर 'प्रेस' लिखे होने का वास्तविक कारण क्या है, और क्या इसके पीछे किसी संगठित गिरोह का हाथ है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में इस तरह 'प्रेस' लिखी हुई करीब 200 से अधिक गाड़ियां बेरोकटोक घूमती नजर आती हैं। लोगों ने आशंका जताई है कि कहीं इन वाहनों का इस्तेमाल देशी शराब के साथ-साथ एमडी ड्रग्स, गांजा, कफ सिरप और गुटखा जैसी अवैध वस्तुओं की सप्लाई के लिए तो नहीं किया जा रहा। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसी सभी संदिग्ध गाड़ियों की गहन जांच की जाए ताकि अवैध धंधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

फिलहाल पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वाहन पर 'प्रेस' लिखकर कानून से बचने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा था।

750 मतदान केंद्रों पर 4500 कर्मचारियों की नियुक्ति

भिवंडी मनपा की यंत्रणा मतदान के लिए तैयार- आयुक्त अनमोल सागर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा आयुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी अनमोल सागर ने बताया कि 15 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए प्रशासन और चुनाव तंत्र पूरी तरह तैयार हैं। मनपा ने 23 वार्डों में 90 सदस्यों के चुनाव के लिए कुल 750 मतदान केंद्र तैयार किए हैं। मतदान हेतु 820 नियंत्रण इकाइयों और 1640 मतपेटियों का निरीक्षण एवं सीलिंग कार्य पूर्ण हो चुका है। मतदान के दौरान मतदाताओं के लिए छायादार मंडप, पीने के पानी की सुविधा और ट्रॉली एवं व्हीलचेयर की व्यवस्था भी की गई है। पर्दा प्रथा के तहत आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान करने के लिए 350 महिला कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। अतिरिक्त आयुक्त और आचार संहिता दल के नोडल अधिकारी विठ्ठल डाके के नेतृत्व में छह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।जिन्होंने अब तक दो मामलों में कुल 12 लाख 65 हजार 900 रुपये नकद जब्त किए हैं और आचार संहिता के उल्लंघन के छह मामले दर्ज किए हैं। आचार संहिता दल चुनाव प्रचार के दौरान कहीं भी आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी नज़र रख रहा है। चुनाव के लिए कुल 4500 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। चुनाव कार्य के लिए 100 फील्ड अधिकारियों की भी नियुक्ति की गई है।साथ ही प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे 1009 कर्मचारियों को नोटिस जारी किए गए, 30 दिसंबर को हुए प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे 285 कर्मचारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। मतदान केंद्र पर तैनात 268 महिला कर्मचारी हेतु मनपा ने उनके आवास की भी व्यवस्था की है।

भिवंडी में आचार संहिता उल्लंघन का मामला, चार लोगों के खिलाफ एफआईआर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी मनपा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का एक मामला सामने आया है। इस संबंध में निजामपुरा पुलिस स्टेशन में चार लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 10 जनवरी की रात करीब 8 बजे शहर के घास बाजार कब्रिस्तान परिसर में स्थित बिचवाली मस्जिद के पास एक चुनावी सभा के दौरान अवैध रूप से राजनीतिक प्रचार किया जा रहा था। आरोप है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के अधिकृत उम्मीदवार के समर्थन में पोस्टर और बैनर लगाए गए थे, जबकि उसी स्थान पर कांग्रेस पार्टी के बैनर और पोस्टर को काले कपड़े से ढक दिया गया था। इस मामले में शिकायतकर्ता मोहम्मद साद अब्दुल खालिक खर्बे (27) ने पुलिस को बताया कि भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा बार-बार सूचना और आदेश जारी किए जाने के बावजूद खिज़र भरमल, उसामा अब्बुजी, तारिख काज़ी और जावेद मोमिन ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया।पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि भिवंडी मनपा चुनाव को देखते हुए प्रशासन ने सभी राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं को आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद इस तरह की घटना सामने आने के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है।

समाजवादी पार्टी की संकल्प सभा में उमड़ी भारी भीड़

अबू आज़मी ने रईस शेख पर साधा निशाना

भिवंडी। मुस्लिम बहुल भिवंडी शहर में समाजवादी पार्टी का मजबूत जनाधार रहा है। इसी वजह से यहां से समाजवादी पार्टी के नेता रईस शेख लगातार दो बार चुने गए। हालांकि, हाल के दिनों में रईस शेख द्वारा पार्टी लाइन से अलग जाकर कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के उम्मीदवारों का समर्थन किए जाने से सियासी हलचल तेज हो गई है।

इसी पृष्ठभूमि में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आज़मी रविवार को पहली बार भिवंडी पहुंचे। शांतिनगर स्थित केजीएन चौक पर भिवंडी पूर्व विभाग के पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित संकल्प सभा में भारी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक जुटे। सभा को संबोधित करते हुए अबू आज़मी ने स्थानीय विधायक रईस शेख और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों को विजयी बनाने का आह्वान किया। अबू आज़मी ने अपने भाषण में कहा कि रईस शेख खुद को विधायक होने का घमंड दिखा रहे हैं, जबकि वे स्वयं चार बार विधायक चुने जा चुके हैं, लेकिन कभी पद का अहंकार नहीं रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि रईस शेख कांग्रेस और एनसीपी के साथ जाकर दलाली कर रहे हैं और उनके उम्मीदवारों को जिताने का काम कर रहे हैं।

आज़मी ने कहा, 'हमारे खून में गद्दारी

नहीं है। यहां का चौकीदार ही चोर निकला। जिन्होंने दाने डालकर लोगों को खरीदा, उन्होंने मुझे भी खरीदने की कोशिश की, लेकिन मैं नहीं बिका।'

प्रदेश अध्यक्ष ने रईस शेख को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि यदि उन्हें गद्दारों के साथ जाना है तो शौक से जाएं, लेकिन समाजवादी पार्टी का झंडा छोड़कर जाएं और विधायक पद से इस्तीफा दें। उन्होंने चेतावनी दी कि 15 तारीख तक इंतजार किया जाएगा, उसके बाद कार्रवाई की जाएगी। आज़मी ने आरोप लगाया कि कुछ नेता भाजपा का महापौर बैठाने की साजिश कर रहे हैं और इसी कारण पार्टी के साथ विश्वासघात हो रहा है। सभा के दौरान अबू आज़मी के तीखे तेवर और बयानों ने राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया। इस सभा के दरमियान समाजवादी पार्टी के भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के सपा उम्मीदवार व भिवंडी सपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद थे।

चिपलूण में तकनीकी कामगार यूनियन का 22वाँ द्विवार्षिक महाधिवेशन उत्साहपूर्वक संपन्न

चिपलूण : तीनों विद्युत कंपनियों में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों की विद्युत क्षेत्र तकनीकी कामगार यूनियन का 22वाँ द्विवार्षिक महाधिवेशन हाल ही में खेर्डी (तहसील चिपलूण) स्थित गुरुकुल कॉलेज परिसर में भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। महाधिवेशन की अध्यक्षता यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष श्री रवि बारई ने की, जबकि उद्घाटन महावितरण के संचालक (मानव संसाधन) श्री राजेंद्र पवार के करकमलों से हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में चिपलूण-संगमेश्वर के विधायक श्री शेखर निकम उपस्थित रहे। साथ ही महानिर्मिती के मुख्य अभियंता श्री राहुल नाले, कोकण परिमंडल के मुख्य अभियंता श्री अनिल डोये, पोफली निर्माण के मुख्य अभियंता श्री संजय चोपड़े, महावितरण के मुख्य औद्योगिक संबंध अधिकारी श्री संजय ढोके, महापारेषण के महाप्रबंधक श्री राजू गायकवाड सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

महाधिवेशन की शुरुआत गणेश पूजन, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन तथा स्मरणिका एवं 'जन्मगाथा' (संस्करण-7) के प्रकाशन के साथ हुई। यूनियन के महासचिव श्री आर. टी. देवकांत ने महाधिवेशन के उद्देश्य, तकनीकी कामगारों की प्रमुख मांगों, ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों तथा संगठन की अब तक की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। सानुग्रह अनुदान, पेंशन, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा बीमा, ई-वाहन, हॉटलाइन भत्ता, प्रशिक्षण, शून्य दुर्घटना नीति, सौर ऊर्जा परियोजनाएं तथा निजीकरण को रोकने के लिए तीनों विद्युत कंपनियों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा एवं मंथन किया गया। अध्यक्षीय भाषण में श्री रवि बारई ने सानुग्रह अनुदान तथा स्वतंत्र वेतन श्रेणी की मांग को प्रमुखता से उठाया।

मार्गदर्शनपर भाषण में महापारेषण के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री राजू गायकवाड ने कहा कि कर्मचारी और

प्रबंधन एक-दूसरे के पूरक हैं और महाराष्ट्र को निर्बाध, सुरक्षित एवं विश्वसनीय विद्युत पारेषण सेवा उपलब्ध कराना हम सभी का साझा लक्ष्य है।

महाधिवेशन में राज्यभर से बड़ी संख्या में तकनीकी कामगारों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सौ. पल्लवी पुरोहित ने किया तथा आभार प्रदर्शन कोकण प्रादेशिक सहसचिव श्री संजय भोसले ने किया।

डब्ल्यूपीएल 2026 : रोमांचक मुकाबले में गुजरात जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 4 रनों से हराया

नवी मुंबई (एजेंसी)। सोफी डिवाइन (95/दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जायंट्स महिला टीम ने रविवार को वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चाथे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स महिला को चार रनों से हरा दिया। आज यहां दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गुजरात जायंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 209 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। गुजरात के लिए बेथ मूनी और सोफी डिवाइन की सलामी जोड़ी ने 94 रन जोड कर अच्छी शुरुआत की। नौवें ओवर में श्री चारणी ने बेथ मूनी (19) को आउटकर दिल्ली कैपिटल्स को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आई कप्तान एश्ले गार्डनर ने डिवाइन ने पारी को संभाला। 11वें ओवर में नंदनी शर्मा ने शतक की ओर बढ़ रही डिवाइन को अपना शिकार बना लिया। सोफी डिवाइन ने 42 गेंदों में आठ छक्के और सात चौके लगाते हुए 95 रनों की पारी खेली। एश्ले गार्डनर ने 26 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए 49 रन बनाए। अनुष्का शर्मा (13) , काश्वी गौतम (14) रन बनाकर आउट हुईं। गुजरात ने आखिरी ओवर में चार अपने चार विकेट गवां दिए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंदनी शर्मा ने पांच विकेट लिए। शिनेल हेनरी और श्री चारणी को दो-दो विकेट मिले। शेफाली वर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए लिजेल ली और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने 41 रन जोड़े। पांचवें ओवर में शेफाली वर्मा 14 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद लॉरा वुलफार्ट् ने लिजेल ली के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 रन जोड़े। 15वें ओवर में काश्वी गौतम ने लिजेल ली को आउटकर पवेलियन भेज दिया। लिजेल ली ने 54 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 86 रनों की पारी खेली। शिनेल हेनरी सात रन बनाकर आउट हुईं। आखिरी ओवर करने आयी सोफी डिवाइन ने कप्तान जेमिमाह रॉड्रिग्स (15) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर में डिवाइन ने लॉरा वुलफार्ट् का भी शिकार दिल्ली की मैच जीतने की उम्मीद को दो पांचवां झटका दिया। लॉरा वुलफार्ट् ने 38 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगात हुए (77) रन बनाये। दिल्ली की टीम निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 205 रन ही बना सकी और चार रन से मुकाबला हार गई। गुजरात जायंट्स के लिए सोफी डिवाइन और राजेश्री गायकवाड ने दो-दो विकेट लिये। काश्वी गौतम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय क्रिकेटर ने डब्ल्यूपीएल में रचा इतिहास

हैट्रिक और इनिंग में 5 विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में एक नया नाम सुर्खियों में आ गया है और वो है नंदिनी शर्मा। चंडीगढ़ की इस युवा तेज गेंदबाज ने अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ मैच का रुख पलटा, बल्कि लीग के इतिहास में अपना नाम भी दर्ज करा लिया। रविवार रात नवी मुंबई में गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए दिल्ली कैपिटल्स की ओर से नंदिनी ने ऐसा गेंदबाजी स्पेल डाला, जिसने फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने हैट्रिक के साथ-साथ इनिंग में 5 विकेट लिए और डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई।

गुजरात जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में नंदिनी शर्मा ने 5/33 का शानदार स्पेल फेंका। यह प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में एक ही मैच में पांच विकेट लेने और हैट्रिक करने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। उनका यह स्पेल उस समय आया जब गुजरात जायंट्स की टीम मिडिल ओवर्स में लय पकड़ रही थी। नंदिनी ने एक ही ओवर में लगातार तीन विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाज़ी की कमर तोड़ दी और दिल्ली कैपिटल्स को मुकाबले में पूरी तरह वापस ला दिया। नंदिनी की गेंदबाज़ी की सबसे बड़ी खासियत रही उनकी सटीक लाइन-लेंथ और समझदारी। उन्होंने अपनी रफ्तार से बल्लेबाज़ों को चौंकाया और फिर वेरिएशन का सही इस्तेमाल किया। गुजरात का मिडिल और लोअर ऑर्डर लगातार रन बना रहा था, लेकिन नंदिनी के आते ही मोमेंटम पूरी तरह बदल गया। हर विकेट के साथ दबाव बढ़ता गया और जायंट्स की टीम उबर नहीं पाई। दिल्ली कैपिटल्स का बॉलिंग अटैक उनके इस स्पेल के बाद बेहद संतुलित और खतरनाक नजर आया। मिड-इनिंग्स ब्रेक में नंदिनी शर्मा ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, 'मैं बस अपने टारगेट पर गेंद डालना चाहती थी। शेफाली और जेमी हर गेंद पर मुझसे बात कर रही थीं और मुझे स्टंप्स पर गेंदबाज़ी करने को कह रही थीं। मुझे हैट्रिक की उम्मीद नहीं थी, लेकिन टीम ने मुझ पर भरोसा जताया। जब देखा कि बल्लेबाज़ मेरी स्टॉक बॉल को अच्छी तरह खेल रहे हैं, तो मैंने वेरिएशन आज़माई और शुक्र है कि वह काम कर गई।'

आप कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज पर अंकुश नहीं लगा सकते हैं : हार के बाद बोले न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर

वडोदरा (एजेंसी)। विराट कोहली के प्रतिद्वंद्वी और साथी खिलाड़ी दोनों रह चुके न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर काइल जैमीसन इस भारतीय बल्लेबाज के कौशल को देख कर हैरान रह जाते हैं और उनका मानना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी पर अंकुश लगाना किसी भी गेंदबाज के लिए टेढ़ी खीर होती है। कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में इस प्रारूप में रिकॉर्ड 54वां वनडे शतक बनाने के करीब थे, लेकिन जैमीसन ने उन्हें 93 रन पर आउट कर दिया। भारत ने यह मैच चार विकेट से जीता।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके जैमीसन ने कहा कि यह निर्धारित करना मुश्किल है कि यह भारतीय बल्लेबाज इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में है या नहीं। जैमीसन ने मैच के बाद कहा, 'यह कहना मुश्किल है कि यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है या नहीं। वह लंबे समय से काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भी उनसे आमना सामना होता है, तो आपको लगता है कि उनसे मुकाबला करने के लिए भी आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वह एक अलग ही स्तर के खिलाड़ी हैं और अधिकतर समय अच्छी लय में नजर आते हैं।' उन्होंने कहा, 'कोहली जैसे खिलाड़ियों को रोकने के लिए आपको कुछ खास रणनीति बनानी होती है। लेकिन उन जैसे दिग्गज बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। वह थोड़ा बहुत अपना दबदबा बनाए रखते हैं, इसलिए मुझे उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगा।'

जैमीसन ने आईपीएल में मोटी कमाई करने से लेकर पीठ संबंधी समस्याओं के कारण मैदान से बाहर रहने तक के उतार-चढ़ाव देखे हैं। उन्होंने अपने करियर में जो कुछ भी हासिल किया उसके लिए वह खुद को आभारी मानते हैं। उन्होंने कहा, 'किसी भी खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं। सभी के अपने-अपने अनुभव होते हैं। मैं सौभाग्यशाली था कि मुझे अपनी करियर की शुरुआती दौर में ही आईपीएल में खेलने का मौका मिला।' जैमीसन ने कहा, 'मेरा नजरिया अब काफी हद तक बदल गया है। मैं आजकल दौरे पर जाने, क्रिकेट खेलने और मैदान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए पहले की तुलना में अधिक कृतज्ञ महसूस करता हूं।'

'केएल राहुल में दिखी एमएस धोनी की झलक'

आकाश चोपड़ा ने की तारीफ बताया परफेक्ट फिनिशर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रविवार को वडोदरा के कोटंबी स्थित बीसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल की नाबाद 29 रनों की पारी की सराहना की, जिसकी बदौलत भारत ने रोमांचक लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत हासिल की। 301 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत उस समय मुश्किल में पड़ गया जब ऑलराउंडर हर्षित राणा केएल राहुल के साथ क्रीज पर आए और स्कोर 242/5 हो गया।

राहुल ने संभलकर खेलते हुए राणा के साथ 37 रनों की साझेदारी की, जिसमें उन्होंने ऑलराउंडर को अधिकांश रन बनाने दिए और यह सुनिश्चित किया कि न्यूजीलैंड को राणा का विकेट न मिले, क्योंकि इससे विपक्षी टीम को भारतीय निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करने का मौका मिल जाता। राणा के विकेट के बाद, राहुल ने वाशिंगटन सुंदर के साथ 27 रनों की साझेदारी की, जिसमें उन्होंने अधिकांश रन खुद बनाए। राहुल ने 49वें ओवर तक बड़े शॉट खेलने से परहेज किया। जब भारत को आखिरी 12 गेंदों में 12 रन चाहिए थे, तब राहुल ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए लगातार दो चौके लगाए और फिर आखिरी ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर छक्का लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

भूमिका रियल्टी ने फरीदाबाद में परियोजना के वित्तपोषण के लिए जुटाए 170 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल एस्टेट कंपनी भूमिका रियल्टी ने फरीदाबाद में अपनी नई परियोजना के वित्तपोषण के लिए आदित्य बिरला सन लाइफ एएमसी और बीओ के रियल एस्टेट ऋण मंच से 170 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि इस धनराशि का उपयोग निर्माण और कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाएगा। संपत्ति सलाहकार कुशमैन एंड वेकफील्ड ने इस सौदे को संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई।

भूमिका ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) उद्धव पोद्दार ने कहा, "बुनियादी ढांचे और बढ़ती उपभोक्ता मांग के समर्थन से फरीदाबाद संगठित शहरी विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। इसकी पेशकश के कुछ ही हफ्तों के भीतर वित्तीय व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना परियोजना के आधारभूत सिद्धांतों की मजबूती एवं पूंजी निवेश के प्रति हमारे अनुशासित दृष्टिकोण को दर्शाता है।"

आदित्य बिरला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ए. बालासुब्रमण्यम ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है जिसमें घरेलू एवं विदेशी दोनों निवेशकों द्वारा रिकॉर्ड पूंजी निवेश किया गया है। इस परियोजना में हमारा निवेश दृढ़ विश्वास पर आधारित है और हमें इस बाजार की कमी को दूर करने वाले विकास का समर्थन करने पर गर्व है।

आदित्य बिरला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड और बीओ के रणनीतिक वित्तपोषण समाधान प्रदान करने वाली एक संरचित ऋण निवेश इकाई के गठन के लिए अपने सहयोग की जून 2022 में घोषणा की थी। इस मंच ने छह शहरों में फैली 13 परियोजनाओं में निवेश करने के लिए सफलतापूर्वक 13 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि आवंटित की है जो स्थापित भागीदारों के साथ अनुमोदन के बाद की रियल एस्टेट परियोजनाओं पर केंद्रित है। भूमिका ग्रुप की अनुषंगी कंपनी भूमिका रियल्टी ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और राजस्थान में रिटेल रियल एस्टेट परियोजनाएं विकसित की हैं।

महंगाई में मामूली बढ़त, दिसंबर में रिटेल महंगाई 1.33 फीसदी रही, लगातार चौथे महीने आरबीआई के दायरे से नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर महीने में भारत की खुदरा महंगाई दर में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, हालांकि यह बाजार के अनुमान से कम रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित खुदरा महंगाई दिसंबर में 1.33% रही।

विश्लेषकों ने महंगाई दर 1.56% रहने का अनुमान जताया था। नवंबर 2025 में खुदरा महंगाई 0.71% और अक्टूबर में 0.25% रही थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर रहा था।

खास बात यह है कि खुदरा महंगाई लगातार चौथे महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4% के लक्ष्य के दायरे से काफी नीचे बनी हुई है। यह लगातार दूसरा तिमाही है जब महंगाई दर केंद्रीय बैंक के कंफर्ट जोन से नीचे रही है।

महंगाई में लगातार नरमी को देखते हुए आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने महंगाई अनुमान को पहले के 2.6% से घटाकर 2% कर दिया है। इससे आने वाले समय में मौद्रिक नीति को लेकर नरमी की उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं।

बजट में होने चाहिए रोजगार बढ़ाने के उपाय, बैंकिंग क्षेत्र में सुधार: अर्थशास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने पेश होने वाले आम बजट से पहले अर्थशास्त्रियों की राय है कि बजट में रोजगार बढ़ाने के उपाय और छोटे उद्योगों पर नए सिरे से ध्यान दिए जाने के साथ-साथ बैंकिंग क्षेत्र में सुधार होने चाहिए। उनका यह भी कहना है कि पिछले साल 12 लाख रुपए तक आय पर आयकर से राहत के बाद प्रत्यक्ष करों पर कोई बड़ी घोषणा की उम्मीद नहीं है। हालांकि सीमा शुल्क पर कुछ नीति लाई जा सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवीं बार एक फरवरी को लोकसभा में 2026-27 का बजट करेंगी। यह पहली बार होगा जब बजट रविवार को पेश किया जाएगा।

बजट को लेकर उम्मीदों के बारे में जाने-माने अर्थशास्त्री एवं मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के निदेशक एन आर भानुमूर्ति ने कहा, 'बजट में सरकार को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्रों पर नए सिरे से ध्यान दिए जाने के साथ-साथ बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों का खाका पेश करना चाहिए। बजट दीर्घकालीन लक्ष्यों के साथ सुधारों पर केंद्रित 2047 के एजेंडे के लिए एक दृष्टि पत्र हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'बैंकिंग क्षेत्र में सुधार के तहत हालांकि देश में कुछ बड़े बैंकों की जरूरत बतायी जा रही है और इसके लिए विलय की बातें हो रही हैं। हालांकि मेरा मानना है कि देश में और बैंकों की जरूरत है ताकि जरूरतमंदों को बैंक से जुड़ी सुविधाओं के साथ कर्ज आसानी से सुलभ हो सके। इसका कारण अभी वित्तीय समावेश में हमें लंबा सफर तय करना है।' एक अन्य सवाल के जवाब में भानुमूर्ति ने कहा, 'एमएसएमई में कर्ज कोई अब समस्या नहीं है। बैंक कर्ज देने के लिए तैयार हैं लेकिन वह उन्हें मिल नहीं पा रहा है। एमएसएमई में छोटे स्तरों पर पुनर्गठन की जरूरत है, ताकि उन्हें संगठित क्षेत्र में लाया सके। छोटे उद्यमों में संचालन के स्तर पर पंजीकरण, ऑडिट और डिजिटल बुनियादी ढांचे से लेकर छोटे-छोटे स्तरों पर व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है।' राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) में प्रोफेसर लेखा चक्रवर्ती ने कहा, 'मेरा मानना है कि बजट में राजकोषीय मजबूती को प्राथमिकता दी जाएगी। राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद के लाभग 4.4 प्रतिशत या उससे थोड़ा कम पर बनाए रखा जाएगा।' उन्होंने कहा, 'इसके साथ बुनियादी ढांचे, हरित ऊर्जा, कृत्रिम मेधा (एआई) और रेलवे में पूंजीगत व्यय पर जोर दिया जाएगा। निजी निवेश को बढ़ावा देने, छोटे उद्यमों को समर्थन देने, उपभोग को गति देने और नीतिगत स्थिरता के लिए कर प्रशासन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।'

रोजगार से जुड़े एक सवाल के जवाब में भानुमूर्ति ने कहा, 'आम आदमी के लिए सबसे बड़ा लाभ रोजगार के अधिक अवसर उत्पन्न होना हो सकता है। चूंकि भारत में इस समय आर्थिक वृद्धि मजबूत है,

मारुति सुजुकी के निदेशक मंडल ने भूमि अधिग्रहण के लिए 4, 960 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया के निदेशक मंडल ने गुजरात में भूमि अधिग्रहण एवं अपनी विनिर्माण क्षमता के विस्तार के लिए 4, 960 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने सोमवार को हुई अपनी बैठक में गुजरात औद्योगिक विकास निगम से खोराज औद्योगिक एस्टेट में उत्पादन क्षमता के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है और " प्रस्तावित क्षमता वृद्धि 10 लाख इकाई तक है।" कुल निवेश के संबंध में कंपनी ने कहा कि क्षमता स्थापना के चरणों को निर्धारित करते समय इसे अंतिम रूप दिया जाएगा और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।

इसमें कहा गया, "निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित भूमि अधिग्रहण, विकास एवं तैयारी संबंधी गतिविधियों की लागत 4, 960 करोड़ रुपए है।" मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि आंतरिक आय और बाहरी उधार से इसका वित्तपोषण किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा (सभी हरियाणा में) और हंसलपुर (गुजरात में) में इसकी कुल मौजूदा उत्पादन क्षमता लगभग 24 लाख इकाई प्रति वर्ष है जबकि कुल उत्पादन क्षमता 26 लाख इकाई प्रति वर्ष है। इसमें सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड की उत्पादन इकाइयां भी शामिल हैं जिसका कंपनी में विलय हो चुका है। सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजुकी ने 2024 में घोषणा की थी कि कंपनी की भारतीय इकाई मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) गुजरात में अपनी दूसरी विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 35, 000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 लाख इकाई होगी।

पश्चिम रेलवे

चर्चगेट स्टेशन पर बल्क विज्ञापन अधिकार

डिविजनल रेलवे मैनेजर, कमर्शियल डिपार्टमेंट, NFR सेक्शन मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008 नीलामी कैटलॉग नंबर: MMCT-ADVT-25-70 आमंत्रित करता है। नीलामी शुरू (सभी लॉट): 29.01-26 को 15:00 बजे। काम- मुंबई डिवीजन में विभिन्न NFR मीडिया के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन। लॉट नंबर: ADVT-BCT-CCG-OH-469-26-1 (विज्ञापन - आउट ऑफ होम)। स्थान / क्षेत्र: चर्चगेट ईस्ट साइड के प्लेटफॉर्म नंबर 4 की सड़क की ओर वाली दीवारों पर LCD/LED के माध्यम से 05 साल की अवधि के लिए विज्ञापन प्रदर्शित करने के बल्क विज्ञापन अधिकार। दिन: 1826। ई-नीलामी की अंतिम तिथि और समय: 29.01-26 को 15:30 बजे। संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर:- 022 67644212, ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com नोट: संभावित बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी लीज़िंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहां उल्लिखित कैटलॉग के तहत उपलब्ध है। 0995

हमें फॉलो करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

मुख्य एयर कंप्रेसर

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: CWE /MTN/85257440 /2026 due on 06.03.2026. निविदा विवरण:** मुख्य एयर कंप्रेसर (कंप्रेसर और एयर ड्रायर) KBIL मॉडल संख्या VV120, Knorr Bremse पार्ट संख्या 8.120.2.321.108.9 के अनुसार, एयर ड्रायर Knorr Bremse पार्ट संख्या 1183699/12100 के अनुसार। **मात्रा:** 20 Nos. **नियत तारीख:** 06.02.2026. **राशि:** 27328800. AK-819

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

विभिन्न कार्य

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: CWE /MTN/85257594 /2025 due on 23.01.2026. निविदा विवरण:** एलएचबी ईओजी कोचों के लिए ब्रेक सिस्टम के 2 आइटमों का सेट, जो आरडीएसओ विनिर्देश संख्या: आरडीएसओ/2011/सीजी -04 संशोधन-03 के अनुरूप है, जिसमें शामिल हैं: (1) ब्रेक कैलिपर यूनिट, लीवरेज अनुपात 2.17, केबीआई पार्ट नंबर ||39691/1BZA के ब्रेक सिलेंडर के साथ, प्रति सेट 2 नग। (2) ब्रेक कैलिपर यूनिट, लीवरेज अनुपात 2.17, केबीआई पार्ट नंबर ||39691 /2BZA के ब्रेक सिलेंडर के साथ, प्रति सेट 2 नग। **मात्रा:** 10 Set. **नियत तारीख:** 23.01.2026. **राशि:** 8496000. AK-811

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

बोगी फ्रेम

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: CWE /MTN/85256271 /2025 due on 22.01.2026. निविदा विवरण:** एयर स्प्रिंग के लिए बोगी फ्रेम असेंबली (मशीनीकृत)। **मात्रा:** 106 Nos. **नियत तारीख:** 22.01.2026. **राशि:** 25541100. AK-799

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

प्रियंका चोपड़ा का 'ब्लू मेटैलिक' अवतार निक जोनास संग रेड कार्पेट पर बिखेरा जलवा

साल 2026 के गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स की शाम मनोरंजन जगत के सितारों से जगमगा उठी, लेकिन सबकी नजरें 'ग्लोबल आइकन' प्रियंका चोपड़ा जोनास पर टिकी रहीं। प्रियंका ने अपने शानदार लुक और आत्मविश्वास के साथ रेड कार्पेट पर ग्लैमर का तड़का लगा दिया।

प्रियंका चोपड़ा ने इस खास मौके के लिए एक बेहद खूबसूरत ब्लू मेटैलिक गाउन चुना था, जिसमें वे बेहद आकर्षक लग रही थीं। उनके इस बोल्ड और ग्लैमरस लुक ने फैशन विशेषज्ञों और प्रशंसकों का दिल जीत लिया। उनके साथ उनके पति और पॉप स्टार निक जोनास भी नजर आए, जिन्होंने क्लासिक ब्लैक स्ट्राइप्ड टक्सीडो पहना था। दोनों की जोड़ी ने रेड कार्पेट पर 'परफेक्ट कपल' गोल सेट किए। सेलेना गोमेज़, ब्लैकपिंक की लिसा और अमांडा सेफ्राइड ने भी 83वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में अपनी स्टाइलिश मौजूदगी से इस शानदार इवेंट में चार चांद लगा दिए, जो 11 जनवरी को (भारतीय समयानुसार 12 जनवरी) कैलिफ़ोर्निया के बेवर्ली हिल्स में आइकॉनिक बेवर्ली हिल्टन में हुआ था।

सिनेमा के 30 साल और निडर सफर! रानी मुखर्जी ने 'मर्दानी 3' और बिना किसी 'मास्टर प्लान' की सफलता पर की खुलकर बात

भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावशाली अभिनेत्रियों में से एक, रानी मुखर्जी ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शानदार तीन दशक पूरे कर लिए हैं। 'राजा की आएगी बारात' से शुरू हुआ यह सफर आज उस मुकाम पर है जहाँ वे अपनी शर्तों पर फिल्में चुनती हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान रानी ने अपनी यात्रा, सिनेमा के प्रति अपने साहस और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' पर दिल खोलकर चर्चा की।

एक्ट्रेस ने यश राज फिल्म्स के ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर एक पर्सनल नोट शेयर करके इस मील के पत्थर को सेलिब्रेट किया। उन्होंने अपने करियर पर बात की, और कहा कि यह इंस्टिंक्ट से बना है, न कि एम्बिशन से। मुखर्जी ने अपनी जर्नी को कहानी कहने के प्यार, इमोशनल ईमानदारी और एक ऐसी मज़बूती से भरा बताया जिसने सालों से उनके फैसलों को तय किया है।

इस पल को 'अनरियल' बताते हुए, मुखर्जी ने लिखा कि समय बहुत जल्दी बीत गया क्योंकि उन्होंने एक्टिंग को कभी मंज़िल नहीं माना। उन्होंने कहा, 'मैं फिल्मों में कोई मास्टर प्लान लेकर नहीं आई थी, ' यह याद करते हुए कि सिनेमा उन्हें लगभग इत्तेफ़ाक से मिला। अपनी पहली फिल्म के सेट पर एक नर्वस लड़की से लेकर हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा फीमेल स्टार्स में से एक बनने तक, उन्होंने खुद को अभी भी उस शुरुआती कमज़ोरी और जिज्ञासा को हर रोल में ले जाने वाला बताया।

'ब्लैक' से लेकर 'हिचकी' और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' तक, रानी ने हमेशा चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ चुनी हैं। उन्होंने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर उनका साहस तब दिखता है जब वे व्यावसायिक सफलता के बजाय सार्थक सिनेमा को चुनती हैं। 30 वर्षों के इस पड़ाव पर भी वे उतनी ही ऊर्जावान हैं और मानती हैं कि सिनेमा को सामाजिक बदलाव का जरिया होना चाहिए।

मुखर्जी ने राजा की आएगी बारात (1997) से डेब्यू किया, एक ऐसी फिल्म जिसके बारे में वह कहती हैं कि इसने सिनेमा को ग्लैमर नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी के तौर पर समझने में मदद की। अपने करियर की शुरुआत में गरिमा के लिए लड़ने वाली महिला का किरदार निभाने का उन किरदारों पर गहरा असर पड़ा जिनकी तरफ वह बाद में आकर्षित हुईं -- ऐसी महिलाएं जो सिस्टम को चुनौती देती हैं, पितृसत्ता पर सवाल उठाती हैं, और पीछे हटने से इनकार करती हैं।

अनुभव की ताक़त, भरोसे की पहचान

वार्ड 37 में मज़बूत दावेदारीः भाजपा महायुति उम्मीदवार प्रतिभा हेमंत शिंदे को मिल रहा निर्णायक जनसमर्थन

दिव्यांश

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 की आहट के साथ ही मलाड पूर्व का वार्ड क्रमांक 37 राजनीतिक चर्चा का केंद्र बनता जा रहा है। इस वार्ड में भाजपा महायुति की उम्मीदवार और पूर्व नगरसेवक प्रतिभा हेमंत शिंदे एक बार फिर अनुभव, कार्यक्षमता और भरोसे की राजनीति का मज़बूत विकल्प बनकर उभरी हैं। चुनावी शोर के बीच उनका नाम स्थिरता और समाधान की उम्मीद के रूप में लिया जा रहा है।

पूर्व नगरसेवक के रूप में उनका कार्यकाल आज भी जनता की स्मृति में जीवंत है। सिर्फ़ वादों की नहीं, बल्कि काम की राजनीति उनकी पहचान रही है। वार्ड की जमीनी समस्याएँ–पानी की किल्लत, बदहाल सड़कें, ड्रेनेज की विफल व्यवस्था, सफ़ाई की अनदेखी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और महिला सुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों पर उनका दृष्टिकोण स्पष्ट, व्यावहारिक और परिणामोन्मुख रहा है।

प्रतिभा शिंदे कहती हैं–

'नगरसेवक सत्ता का पद नहीं, सेवा की ज़िम्मेदारी है। योजनाओं की घोषणाएँ नहीं, उनका ज़मीन पर असर ही असली विकास है।'

इसी सोच के साथ वे महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए कौशल विकास व खेल सुविधाएँ, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ और स्वच्छता व्यवस्था को अपनी प्राथमिक एजेंडा सूची में सबसे ऊपर रखे हुए हैं।

भाजपा संगठन की मज़बूत जमीनी पकड़ और महायुति सरकार के विकासोन्मुख निर्णयों का सीधा लाभ वार्ड 37 तक पहुँचाना उनका स्पष्ट लक्ष्य है। प्रचार के दौरान चल रहे जनसंवाद से यह साफ़ झलक रहा है कि मतदाता इस बार नारे नहीं, नतीजे चाहते हैं।

महिलाएँ, युवा, वरिष्ठ नागरिक, व्यापारी वर्ग और सामाजिक कार्यकर्ता खुलकर उनके समर्थन में आगे आ रहे हैं। नागरिकों का स्पष्ट मत है कि पूर्व नगरसेवक के अनुभव और सरकार के सहयोग से प्रतिभा हेमंत शिंदे वार्ड 37 को ठहराव से निकालकर विकास की रफ़्तार दे सकती हैं।

कुल मिलाकर, वार्ड 37 में यह चुनाव केवल जीत-हार का नहीं, बल्कि अनुभव बनाम प्रयोग का बन चुका है–और इस कसौटी पर भाजपा महायुति उम्मीदवार प्रतिभा हेमंत शिंदे एक सशक्त, सक्षम और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में मज़बूती से खड़ी नज़र आ रही हैं।

15 जनवरी को नगर निगम चुनावों के लिए वोटिंग

उद्योगों, प्रतिष्ठानों और फैक्ट्रियों में कर्मचारियों के लिए पूरी सैलरी वाली छुट्टी

मुंबई।राज्य में 15 जनवरी, 2026 को 29 नगर निगमों के लिए आम चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव में मतदाताओं को अपने वोट देने के अधिकार का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाने के लिए, उद्योग, ऊर्जा, श्रम और खनन विभाग द्वारा एक सरकारी फैसला जारी किया गया है कि इस दिन उद्योगों, प्रतिष्ठानों और फैक्ट्रियों में श्रमिकों और कर्मचारियों को छुट्टी या छूट देना अनिवार्य कर दिया गया है।

सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना में कहा गया है कि यह सार्वजनिक अवकाश नगर निगम क्षेत्रों में केंद्र सरकार के कार्यालयों, अर्ध-सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों, शैक्षणिक और इसी तरह के प्रतिष्ठानों पर भी लागू होगा।

इस सरकारी फैसले के अनुसार, चुनाव क्षेत्र के अंदर और बाहर काम करने वाले सभी श्रमिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को वोट देने के लिए छुट्टी देने के आदेश प्रतिष्ठानों को जारी किए गए हैं। ये आदेश उद्योग, ऊर्जा और श्रम विभाग के तहत सभी प्रतिष्ठानों, कारखानों, दुकानों, होटलों, आवासों, आईटी कंपनियों, मॉल, शॉपिंग सेंटर, खुदरा विक्रेताओं आदि पर लागू होंगे।

असाधारण परिस्थितियों में, यदि पूरे दिन की छुट्टी देना संभव नहीं है, तो कम से कम तीन घंटे की विशेष सवेतन छुट्टी देना अनिवार्य कर दिया गया है।

सरकारी फैसले में संकेत दिया गया है कि यदि इन आदेशों का पालन नहीं किया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिन नगर पालिकाओं में सार्वजनिक अवकाश लागू हैं, उनमें बृहन्मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, पनवेल, नासिक, मालेगांव, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले, पुणे, पिंपरी-चिंचवड़, सोलापुर, कोल्हापुर, इचलकरंजी, सांगली-मिराज-कुपवाड़, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़-वाघला, परभणी, जालना, लातूर, अमरावती, अकोला, नागपुर और चंद्रपुर शामिल हैं।

साक्षात्कार : वार्ड 43 - बदलाव बनाम बहाने की लड़ाई

कांग्रेस उम्मीदवार सुदर्शन फूलचंद सोनी से बेबाक बातचीत

प्रश्न 1 : मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 को आप किस रूप में देखते हैं?

उत्तर : यह चुनाव सिर्फ़ पार्षद चुनने का नहीं, बल्कि यह तय करने का चुनाव है कि वार्ड 43 आगे बढ़ेगा या फिर पुराने बहानों में उलझा रहेगा। पिछले कई वर्षों में जनता ने वादों की राजनीति देख ली है। अब सवाल है–काम कौन करेगा? जवाबदेही कौन लेगा?

मेरे लिए यह चुनाव सत्ता का नहीं, सिस्टम बदलने का चुनाव है। वार्ड 43 को अब खोखले नारों नहीं, मज़बूत नेतृत्व की ज़रूरत है।

प्रश्न 2 : आपके अनुसार वार्ड 43 की सबसे बड़ी विफलताएँ क्या रही हैं?

उत्तर : अगर सच बोलना आक्रामक माना जाए, तो हाँ–वार्ड 43 को योजनाबद्ध तरीके से नज़रअंदाज़ किया गया है।

जर्जर सड़कें, हर बारिश में जलभराव, नालों की सफाई केवल फाइलों में, और पानी की समस्या पर सिर्फ़ बैठकों का ड्रामा–ये सब प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है।

समस्या यह नहीं कि पैसे नहीं थे, समस्या यह है कि नियत और निगरानी दोनों गायब थीं।

प्रश्न 3 : आप इन समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे? ठोस रोडमैप क्या है?

उत्तर : मैं घोषणाओं में नहीं, डेडलाइन में विश्वास करता हूँ।

मेरी कार्ययोजना साफ़ है–

वार्ड की सभी आंतरिक सड़कों का चरणबद्ध नहीं, सम्पूर्ण पुनर्निर्माण

नालों की सफाई केवल मानसून में नहीं, सालभर मॉनिटरिंग के साथ हर प्री-मानसून से पहले जलनिकासी की जमीनी जांच, कागज़ी नहीं पानी की पाइपलाइनों का तकनीकी ऑडिट–ताकि टैंकर माफ़िया खत्म हो

काम होगा, दिखेगा और उसकी ज़िम्मेदारी मेरी होगी।

प्रश्न 4 : स्वच्छता और स्वास्थ्य को लेकर आपका दृष्टिकोण क्या है?

उत्तर : स्वच्छता पर राजनीति नहीं, अनुशासन चाहिए। कचरा पृथक्करण सिर्फ़ पोस्टर पर नहीं चलेगा, डोर-टू-डोर कलेक्शन की रोज़ाना समीक्षा होगी।

सार्वजनिक शौचालयों की हालत सुधारना, नियमित फॉगिंग, और वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य शिविर–ये विकल्प नहीं, ज़रूरत हैं।

बीमार वार्ड से विकसित मुंबई नहीं बन सकती।

प्रश्न 5 : महिला सुरक्षा को लेकर आप क्या अलग करेंगे?

उत्तर : महिला सुरक्षा भाषण से नहीं, इन्फ्रास्ट्रक्चर और त्वरित कार्रवाई से आती है।

जहाँ अंधेरा है, वहाँ हाई-मास्ट लाइट लगेगी। जहाँ डर है, वहाँ सीसीटीवी होगा। और जहाँ शिकायत है, वहाँ कार्रवाई होगी–देरी नहीं। मैं चाहता हूँ कि वार्ड 43 की महिलाएँ समय नहीं, हालात से आज़ाद हों।

प्रश्न 6 : वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के लिए आपकी प्राथमिकताएँ?

उत्तर : वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान भाषण से नहीं, सुविधा से मिलता है–नियमित मेडिकल कैंप, स्वास्थ्य सहायता और सामाजिक सहभागिता।

युवाओं के लिए सिर्फ़ नारों की नहीं, अवसरों की राजनीति होगी–

खेल मैदान, व्यायामशालाएँ, स्किल डेवलपमेंट और रोज़गार से जोड़ने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम।

युवा अगर मजबूत होगा, तो वार्ड खुद मज़बूत होगा।

प्रश्न 7 : पारदर्शिता और जवाबदेही को आप कैसे लागू करेंगे?

उत्तर : मैं बंद दरवाज़ों वाला नेता नहीं हूँ। नियमित जनसुनवाई, वार्ड कार्यालय में तय समय पर उपस्थित रहना, और हर शिकायत का ऑनलाइन-ऑफलाइन ट्रैक रिकॉर्ड–यह सब अनिवार्य होगा।

जनप्रतिनिधि जनता से भागे, यह सोच ही ग़लत है।

प्रश्न 8 : अंत में, वार्ड 43 के नागरिकों से आपका सीधा संदेश?

उत्तर : मैं झूठे सपने नहीं बेचता, काम की गारंटी देता हूँ। अगर आपको बदलाव चाहिए, तो बदलाव के लिए खड़ा होना पड़ेगा। ईमानदारी, पारदर्शिता और विकास–ये मेरे वादे नहीं, मेरी कार्यशैली है। आइए, मिलकर वार्ड 43 को बहानों से नहीं, निर्णयों से चलाएँ।

मुंबई महानगर के विशेष संदर्भ में (हिंदी-मराठी एकता का उद्घोष)

इतिहास के झरोखे से महाराष्ट्र और उत्तर भारतीय संबंध

मुंबई। महाराष्ट्र और उत्तर भारत के संबंध किसी क्षणिक राजनीतिक परिस्थिति या चुनावी विमर्श की उपज नहीं हैं। ये संबंध भारतीय सभ्यता की उस साझा चेतना से निकले हैं, जहाँ विविधता संघर्ष नहीं, संवाद का माध्यम रही है। विशेष रूप से मुंबई महानगर इस ऐतिहासिक सत्य का सबसे सशक्त प्रतीक है। यह नगर केवल आर्थिक राजधानी नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक संगम का नाम है, जहाँ मराठी मिट्टी की सुगंध और उत्तर भारतीय श्रम-संस्कृति ने मिलकर आधुनिक भारत का स्वरूप गढ़ा।

इतिहास के पन्ने पलटें तो स्पष्ट होता है कि महाराष्ट्र की भूमि ने सदैव परिश्रम, प्रतिभा और मानवीय मूल्यों का स्वागत किया है। भक्ति आंदोलन इसका पहला जीवंत उदाहरण है। नामदेव, एकनाथ और तुकाराम की परंपरा ने भाषा की सीमाओं को तोड़कर मानवता को केंद्र में रखा, वहीं कबीर जैसे संतों की निर्भीक वाणी उत्तर भारत से निकलकर महाराष्ट्र के जनमानस में समा गई। यह सांस्कृतिक प्रवाह बताता है कि मराठी और हिंदी कोई विरोधी धाराएँ नहीं, बल्कि एक ही भारतीय चेतना की सहयात्री हैं।

'भाषा बदल सकती है, पर भाव नहीं; भाव बचे रहें तो समाज अखंड रहता है।'

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

औपनिवेशिक काल में जब मुंबई औद्योगिक शक्ति के रूप में उभरी, तब उत्तर भारत से लाखों लोग रोज़गार, शिक्षा और सम्मान की तलाश में यहाँ आए। कपड़ा मिलें, बंदरगाह, रेलवे, निर्माण क्षेत्र–हर जगह मराठी श्रमिकों के साथ उत्तर भारतीय श्रमिकों ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। मुंबई की ऊँची इमारतें और विस्तृत सड़कें केवल विकास के प्रतीक नहीं, बल्कि उस साझा संघर्ष की स्मृतियाँ हैं जिसने इस नगर को महानगर बनाया।

मराठी भाषा महाराष्ट्र की आत्मा है–यह उसकी सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक परंपरा और लोकजीवन की पहचान है। इस सत्य पर कोई प्रश्नचिह्न नहीं हो सकता। किंतु हिंदी इस आत्मा की विरोधी नहीं, बल्कि संवाद की सेतु-भाषा है। मुंबई की वास्तविक पहचान इसी सहज द्विभाषिकता में निहित है, जहाँ मराठी अपनापन व्यक्त करती है और हिंदी संवाद को व्यापक बनाती है।

'मराठी माझी ओळख आहे, हिंदी माझा संवाद आहे–दोन्ही माझ्या संस्कृतीचा भाग आहेत।'

आज जब कुछ शक्तियाँ हिंदी-हिंदू और मराठी को आमने-सामने खड़ा करने का प्रयास करती हैं, तब यह समझना आवश्यक है कि यह टकराव कृत्रिम और इतिहास-विरोधी है। महाराष्ट्र का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद कभी संकीर्ण नहीं रहा। वह आत्मगौरव पर आधारित रहा है, न कि द्वेष पर। जिसने इस भूमि का सम्मान किया, उसके नियमों को अपनाया और अपने श्रम से योगदान दिया–वह महाराष्ट्र का ही अंग बना।

हिंदी और मराठी साहित्य ने भी इस एकता को निरंतर पुष्ट किया है। मराठी के संत साहित्य से लेकर आधुनिक रचनाकारों तक, और हिंदी के कवियों-कथाकारों तक–मानवीय संवेदना, श्रम की गरिमा और सामाजिक न्याय साझा विषय रहे हैं। साहित्य ने कभी दीवारें नहीं खड़ी कीं, बल्कि सेतु बनाए।

'जो भाषा मनुष्य को मनुष्य से जोड़े, वही संस्कृति की सच्ची भाषा है।'

आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा और शहरीकरण के दौर में मुंबई भारत का आर्थिक इंजन है। इसकी शक्ति विविधता में निहित है। यदि इस विविधता को भय और संदेह से देखा गया, तो शहर कमजोर होगा; यदि इसे साझा पूँजी के रूप में स्वीकार किया गया, तो मुंबई और महाराष्ट्र दोनों और सशक्त होंगे। मराठी अस्मिता का सम्मान और उत्तर भारतीय योगदान की स्वीकृति–दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, विरोधी नहीं।

इसी सांस्कृतिक एकता की राजनीतिक अभिव्यक्ति बाला साहब ठाकरे के विचारों में दिखाई देती है। उनके लिए मराठी अस्मिता आत्मसम्मान का विषय थी, पर अन्य भारतीयों के प्रति द्वेष का नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वाभिमान और संकीर्णता में अंतर होता है। आज भारतीय जनता पार्टी उसी समन्वयवादी राष्ट्रवाद को आगे बढ़ाते हुए–मराठी गौरव, हिंदी संवाद और हिंदू सांस्कृतिक एकता–तीनों को साथ लेकर चलने का आग्रह करती है।

'स्वराज्य म्हणजे केवळ सत्ता नव्हे, तर सर्वांचा सन्मान.' – छत्रपति शिवाजी महाराज

अतः इतिहास के इस झरोखे से झाँककर देखने पर स्पष्ट होता है कि महाराष्ट्र और उत्तर भारत का संबंध विरोध का नहीं, सहअस्तित्व का है। मराठी हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, हिंदी हमारी संवाद-शक्ति। मुंबई इस सत्य की जीवंत प्रयोगशाला है–जहाँ हर दिन यह सिद्ध होता है कि भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर, साझा श्रम और साझा संस्कार ही किसी महानगर को महान बनाते हैं।

हम एक हैं–इतिहास से भी, वर्तमान से भी, और भविष्य से भी।

जय महाराष्ट्र

जय हिंद

मुंबई में छिड़ा 'डिजिटल वार', बीजेपी के 'मार्वल' अवतार ने उड़ाया विरोधियों का होश

मुंबई ।मुंबई में 15वें नगर निगम चुनाव की हलचल तेज हो गई है। 227 वार्डों वाली इस जंग में इस बार मुकाबला केवल सड़कों या रैलियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी लड़ाई अब मोबाइल स्क्रीन और सोशल मीडिया पर शिफ्ट हो गई है। इस 'डिजिटल वॉर' में भारतीय जनता पार्टी अपने विरोधियों से कोसों आगे नजर आ रही है।

युवाओं को लुभा रहा है बीजेपी का 'मार्वल' स्टाइल

बीजेपी ने इस बार युवा वोटरों को साधने के लिए AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का सहारा लिया है। सोशल मीडिया पर पार्टी के 'मार्वल-थीम' वाले वीडियो जबरदस्त वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में आयरन मैन, स्पाइडर-मैन और हल्क जैसे मशहूर किरदार मुंबई के विकास और नागरिक सुविधाओं पर चर्चा करते दिख रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 18 से 25 साल के नए वोटरों के लिए यह तरीका काफी नया और असरदार है। जहां कांग्रेस जैसी पार्टियां इस ट्रेंड को अपनाने की कोशिश कर रही हैं, वहीं बीजेपी का तकनीकी काम और मैसेज देने का अंदाज कहीं ज्यादा प्रोफेशनल और सटीक लग रहा है।

'मुंबई अब नहीं रुकेगा', एक मजबूत नारा

बीजेपी का मुख्य नारा 'मुंबई अब नहीं रुकेगा' हर बैनर, पोस्टर और डिजिटल स्क्रीन पर छाया हुआ है। पार्टी ने न केवल अपनी बात रखी है, बल्कि विपक्ष को भी घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ा।

शिवसेना पर पलटवार

बीजेपी ने उद्धव ठाकरे गुट के पुराने विज्ञापनों और नारों को ही उनके खिलाफ इस्तेमाल कर उन्हें रक्षात्मक बना दिया है।

प्रोजेक्ट्स पर क्रेडिट की जंग

शिवसेना कोस्टल रोड जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, लेकिन जनता के बीच इस बात को लेकर बहस छिड़ी है कि क्या सालों से अटके इन कामों का क्रेडिट लेना सही है?

रील्स और शॉर्ट्स का जलवा, बीजेपी की 'अटेंशन' गेम

आज के दौर में जनता के पास लंबे भाषण सुनने का समय नहीं है। इसे समझते हुए बीजेपी ने इंस्टाग्राम रील्स और यूट्यूब शॉर्ट्स पर छोटे और मजेदार वीडियो शेयर किए हैं। व्हाट्सएप स्टेटस के जरिए घर-घर तक अपनी बात पहुंचाई है। विपक्ष जहां अब भी पुराने और पारंपरिक तरीकों से चुनाव प्रचार कर रहा है, वहीं बीजेपी टेक्नोलॉजी और भविष्य की सोच के साथ युवाओं से सीधा संवाद कर रही है।

BMC चुनाव अब केवल नाली और सड़क के मुद्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह 'नैरेटिव' की लड़ाई बन गया है। एक तरफ शिवसेना अपनी पुरानी उपलब्धियां गिना रही है, तो दूसरी तरफ बीजेपी भविष्य की आधुनिक मुंबई का सपना दिखा रही है। अब देखना यह है कि क्या मार्वल हीरोज का यह जादू असल वोट में बदल पाता है या नहीं।

महायुति गठबंधन में सबकुछ सही नहीं! बीएमसी चुनाव से पहले अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस के बीच क्यों छिड़ी जुबानी जंग

मुंबई । सत्ताधारी महायुति गठबंधन के भीतर की दरारें खुलकर सामने आ गई हैं, क्योंकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महत्वपूर्ण बीएमसी और नगर निकाय चुनावों से पहले शासन, मुफ्त योजनाओं और भ्रष्टाचार के आरोपों पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। ताजा विवाद तब सामने आया जब पवार ने पिंपरी-चिंचवड नगर निगम (पीसीएमसी) चुनाव प्रचार के दौरान की गई टिप्पणियों के लिए फडणवीस पर पलटवार करते हुए जोर देकर कहा कि वह केवल शासन की विफलताओं को उजागर कर रहे थे, न कि व्यक्तिगत हमले कर रहे थे।

पिंपरी में अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) के संयुक्त घोषणापत्र का अनावरण करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, अजीत पवार ने कहा कि लगभग नौ साल के अंतराल के बाद हो रहे नगर निगम चुनावों के कारण उनकी आलोचना और भी तीखी हो गई है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा की आलोचना नहीं कर रहा हूं। मैं केवल पीसीएमसी में हुई गलतियों को उजागर कर रहा हूं। गलतियां बताना आलोचना नहीं है। एक दिन पहले, फडणवीस ने एक रैली में पवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा था कि कुछ नेता चुनाव नजदीक आने पर ही मुखर होते हैं। अजीत पवार ने भाजपा पर 2017 से 2022 तक पीसीएमसी के शासनकाल के दौरान भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी द्वारा किए गए 27 वादों में से एक भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने रावेत और भोसारी जैसे क्षेत्रों में झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की और सवाल उठाया कि इन योजनाओं के तहत दिए गए हस्तांतरणीय विकास अधिकारों से किसे लाभ हुआ।

उन्होंने बुनियादी ढांचे की लागत में वृद्धि का भी हवाला देते हुए दावा किया कि एक पुल परियोजना की लागत 70 लाख रुपये से बढ़कर 7 करोड़ रुपये हो गई है। अपने गठबंधन के चुनावी एजेंडे का अनावरण करते हुए, पवार ने कई वादे किए, जिनमें 1 अप्रैल, 2026 से 500 वर्ग फुट तक के घरों पर संपत्ति कर में छूट, मसौदा विकास योजना को रद्द करना, दैनिक जल आपूर्ति और मुफ्त बस एवं मेट्रो यात्रा शामिल हैं। अन्य आश्वासनों में बेहतर सड़कें, प्रदूषण नियंत्रण, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं, आदर्श विद्यालय, छात्रों के लिए मुफ्त टैबलेट और कौशल प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं के लिए 5 लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण शामिल हैं।

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)